दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 144 मुरादाबाद, 13 September 2023 (Wednesday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

उर्स-ए-रजवी: बरेली में सोनिया गांधी और मायावती ने भेजीं चादर, भाजपा सांसद की ओर से भी की गई चादरपोशी

बरेली में आला हजरत के उर्स के मौके पर कई राजनीतिक पार्टियों की ओर से भी चादरें भेजी गई हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से चादर भेजी गई। सोमवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी और प्रदेश प्रवक्ता डॉ. केबी त्रिपाठी ने इस चादर को आला हजरत दरगाह पर पेश कर गुलपोशी की।इस दौरान पूर्व विधायक छोले लाल गंगवार, डॉ. मेहंदी हसन, दिनेश दद्दा, जुनेद हसन, सुरेश वाल्मीकि, कमरुद्दीन सैफी, जिया उर रहमान आदि मौजूद रहे। उर्स के मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से चादर भेजी गई। बसपा सुप्रीमो मायावती की ओर से भी दरगाह पर चादरपोशी की गई। बसपा सुप्रीमो मायावती की ओर से बरेली मंडल के मुख्य सेक्टर प्रभारी राजेश सागर, राजवीर सिंह गौतम, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने दरगाह पहुंचकर चादर पेश की। शाहीन रजा खान, राजू शमीम, अजय सागर, फारुख अहमद मौजूद रहे। भीम आर्मी के संस्थापक व आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद की ओर से प्रदेश उपाध्यक्ष अच्छन अंसारी, संजीव सागर, राजेंद्र सिंह गुर्जर, जिलाध्यक्ष डॉ. दुर्वेश अली अंसारी ने दरगाह पहुंचकर चादर पेश की। इस दौरान राज कमल पाल, मनोज सागर, रियाज अहमद, शाकिर अली आदि मौजूद रहे। बरेली के भाजपा सांसद संतोष गंगवार की ओर भी दरगाह शरीफ पर चादर पेश गई। इसे भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से पेश किया गया।

पुलिस कर्मियों को मिलेगा 500 रुपये मोटरसाइकिल भत्ता, बुंदेलखंड में बनेगा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यूपी कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में 19 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी को 500 रुपये मोटरसाइकिल भत्ता देने के निर्णय को मंजूरी दी गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी को 500 रुपये मोटरसाइकिल भत्ता दिया जाएगा। मंगलवार को कैबिनेट ने इसके प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी। बता दें कि पहले आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी को 200 रुपये साइकिल भत्ता दिया जाता था, जिसे मोटरसाइकिल भत्ते में परिवर्तित करने के साथ 500 रुपये प्रतिमाह की धनराशि देने की मंजूरी प्रदान की गई है। इससे राज्य सरकार पर 6.78 करोड़ रुपये अतिरिक्त वार्षिक व्ययभार आने का अनुमान है। बैठक में बुंदेलखंड में औद्योगिक विकास प्राधिकरण के गठन का निर्णय भी लिया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्त विभाग के वर्ष 2018 के शासनादेश के मुताबिक प्रदेश के समस्त विभागों के साइकिल भत्ता के लिए पात्र कर्मियों के लिए 200 रुपये की धनराशि का प्राविधान किया गया था। अन्य राजकीय विभागों के समकक्ष कर्मियों, जिन्हें साइकिल भत्ता अनुमन्य है, से पुलिस विभाग के आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी के पृथक कार्यदायित्व के दृष्टिगत अल्प समय में घटनास्थल, विभिन्न प्रकार की अति महत्वपूर्ण ड्यूटी पर पहुंचना होता है, जो वर्तमान हालात में साइकिल से संभव नहीं है। लिहाजा, कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए साइकिल के स्थान पर मोटरसाइकिल के प्रयोग व इसके लिए उन्हें साइकिल भत्ते के स्थान पर मोटरसाइकिल भत्ता देने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। बैठक में इन प्रस्तावों को मिली मंजूरी- - बैठक में बुंदेलखंड में औद्योगिक विकास प्राधिकरण के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।इसके लिए 33 राजस्व गांवों की जमीन खरीदी जाएगी। इसका निर्माण 14 हजार एकड़ भूमि पर किया जाएगा जिसमें से 8 हजार एकड़ भूमि ग्राम समाज की है। प्राधिकरण का निर्माण झांसी ग्वालियर मार्ग पर किया जाएगा। - अयोध्या में टूरिस्ट फैसिलेशन सेंटर के लिए मंजूरी दी गई है। - धान खरीद नीति को मंजूरी दी गई। - आकांक्षी विकास खण्ड की तर्ज पर 100 नगर निकाय में आकांक्षी नगर निकाय योजना लागू होगी। इन नगर निकायों को 2026 तक विकसित किया जाएगा। इसके बाद फिर 100 निकायों का चयन होगा। इसके तहत 32 मानकों पर कार्य किया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए 100 सीएम फैलो नियुक्त किए जाएंगे। - योजना के तहत 20 हजार से एक लाख आबादी वाले निकाय का चयन किया गया है। - पुलिस के आरक्षी और हेड कांस्टेबल का साइकिल भत्ता 200 से बढ़ाकर 500 रुपये किया गया। संभल, औरैया में पुलिस लाइन बनाई जाएगी। - पुलिस लाइन में शहीद स्मारक, म्यूजियम, ट्रैफिक पार्क भी बनवाया जाएगा। - वीरांगना उधादेवी बटालियन का गठन होगा। 351 करोड़ का बजट की व्यवस्था की गई है।

तमिलनाडु के शिक्षामंत्री पोनमुडी को भाजपा ने घेरा, कहा- मन की बात बाहर आ गई

रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि पोनमुडी ने यह टिप्पणी उसी %सनातन धर्म विरोधी कार्यक्रम में की थी, जिसमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे उधयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म पर हमला विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का गुप्त एजेंडा है। पार्टी ने इस प्राचीन धर्म के बारे में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) नेताओं की लगातार आलोचनात्मक टिप्पणियों के बीच विपक्षी नेताओं की 'चुप्पी' पर सवाल उठाए इस मुद्दे पर विपक्ष पर ताजा हमला बोलते हुए भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा और कहा कि सोनिया गांधी इस मामले पर अगर चुप्पी साधे रहेंगी तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि सनातन धर्म का विरोध करना 'इंडिया' के न्यूनतम साझा कार्यक्रम का हिस्सा है। प्रसाद ने कहा कि डीएमके नेता की एक टिप्पणी सामने आई है। वह बड़ी कमाल की आई है। अग्रेंजी में एक कहावत है कि 'द कैट इज आउट ऑफ दी बैग' यानी जो सोचा, वो बाहर आ गया। उनकी सोच सबके सामने बाहर आ गई है। साफ है कि इ.ह्ष्ठ.इ. गठबंधन का गठन ही सनातन धर्म का विरोध करने और उसे खत्म करने के लिए बना है। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि पोनमुडी ने यह टिप्पणी उसी सनातन धर्म विरोधी%कार्यक्रम में की थी, जिसमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे उधयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की थी। बाद में अभिनेता राजा ने इसे एड्स से भी अधिक संक्रामक बताया। उन्होंने कहा कि राजा ने कहा था कि सनातन धर्म एड्स से भी खतरनाक है। भाजपा सांसद ने कहा कि वहां के शिक्षा मंत्री ने जो भी कहा वह सच्चाई है। इसका छिपा हुआ एजेंडा है। यह सनातन धर्म का विरोध करके वोट बैंक की राजनीति करना चाहते हैं। इसके लिए यह सभी बहुत समय से लगे हुए हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस और इस गठबंधन से हम कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। क्या वहां के मुख्यमंत्री ने अपने बेटे के खिलाफ कोई टिप्पणी की? उन्होंने कहा कि यह लोग हर धर्म की बात करके लीपापोती करते हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या उन्हें अन्य किसी धर्म के देवताओं की आलोचना करने का अधिकार है? क्या उनमें साहस है? क्या वे ऐसा कर सकते हैं? हम सभी आस्थाओं का सम्मान करते हैं और यह वोट के नाम पर चुप हो जाते हैं। यह लोग अन्य धर्मों पर चुप रहते हैं, लेकिन खुले तौर पर सनातन का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इंडिया गठबंधन से एक स्पष्ट प्रस्ताव लाने का आग्रह करेगी कि वह डीएमके की आलोचना से खुद को पूरी तरह अलग करता है और यह उनका एजेंडा नहीं है। डीएमके द्वारा अपनी आलोचना को सही ठहराने के लिए सनातन धर्म को हिंदुओं के बीच जातिगत भेदभाव की प्रथा से जोड़ने पर भाजपा नेता ने कहा कि शबीर, केवट और संत रविदास जैसे पिछड़ी जातियों के श्रद्धेय लोगों को समर्पित मंदिर बनाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म का मानना है कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति और समुदाय की पृष्ठभूमि के बावजूद अपनी भक्ति से भगवान को प्राप्त कर सकता है। कांग्रेस ने इस विवाद को लेकर स्पष्ट तौर पर कहा कि वह हर धर्म का सम्मान करने में विश्वास करती है। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए प्रसाद ने कहा कि डीएमके से लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसे दलों के कुछ विपक्षी नेता सनातन धर्म और हिंदू धर्म से जुड़े पवित्र ग्रंथों की आलोचना करने में मुखर रहे हैं, लेकिन क्या वे अन्य धर्मों और उनके पवित्र व्यक्तित्वों की आलोचना करने का साहस जुटा सकते हैं? उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और विरासत का हर रोज अपमान किया जा रहा है और भाजपा इस मुद्दे को लेकर देश भर के गांवों में जाएगी और साथ ही विकास तथा विरासत की बात भी करेगी। उन्होंने विपक्षी नेताओं से सवाल किया कि सनातन धर्म का यह शर्मनाक अपमान क्यों किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने हाल ही में भारत द्वारा आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन की बैठक के दौरान कोणार्क चक्र और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को दी गई प्रमुखता के बारे में भी बात की।

गणित के गड़बड़झाले में उलझे BJP सांसद, सपा के शिवपाल यादव ने यूं ली चुटकी

उत्तर प्रदेश की इटावा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया और लोक निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कैबिनेट मंत्री सांसद से 20 करोड़ में कितने जीरो होते हैं का सवाल करते हैं जिसका रामशंकर कठेरिया गलत जवाब देते हैं।इटावा सांसद का 20 करोड़ में जीरो के जवाब का वीडियो हो रहा वायरल- सपा नेता शिवपाल यादव ने वीडियो शेयर कर कसा कंज- विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने गए थे कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसादउत्तर प्रदेश की इटावा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया और लोक निर्माण विभाग के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कैबिनेट मंत्री सांसद से 20 करोड़ में कितने जीरो होते हैं का सवाल करते हैं, जिसका रामशंकर कठेरिया गलत जवाब देते हैं।वीडियो वायरल होने के बाद विपक्ष ने जमकर निशाना साधा। समाजवादी पार्टीके राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव नेता शिवपाल यादव ने वीडियो शेयर कर सांसद और मंत्री की चुटकी ली। शिवपाल ने इटावा सांसद को बताया गड़बड़झाले का शिकार- शिवपाल यादव ने कहा- माननीय इटावा सांसद जी का गणित भी गड़बड़झाले का शिकार है। वैसे दानवीर नजर आ रहे लोक निर्माण मंत्री जी विधान सभा सत्र में सम्बंधित विभाग पर आर्थिक चर्चा से भागते रहे। जब पूरे कुएं में भांग पड़ी हो तो गणित, रसायन, अर्थशास्त्र और इतिहास ही नहीं वर्तमान पर भी संकट गहरा जाता है।

क्या है पूरा मामला

रविवार को इटावा क्लब में जनपद में चल रहीं 32578. 14 लाख रुपये की 30 विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण होना था। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद पहुंचे थे। कैबिनेट मंत्री ने जनता को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि यह योजनाएं तो विकास की एक झांकी मात्र हैं अभी तो कई बड़ी-बड़ी योजनाएं बाकी हैं। कुछ ऐसी योजनाएं भी लाई जाएंगी जिसकी अभी लोगों को कल्पना भी नहीं है। उन्होंने आगे कहा की सांसद डा. रामशंकर कठेरिया तथा सदर विधायक सरिता भदौरिया ने जो प्रस्ताव दिए हैं उन सभी पर कामकाज होगा और यह कार्य पूरे होंगे।इसी दौरान जितिन प्रसाद ने मजाक में सांसद रामशंकर कठेरिया से 20 करोड़ में कितने जीरो होते हैं पूछा। इसके जवाब में सांसद जी 20 करोड़ में छह जीरो होते हैं का जवाब दिया। सांसद जी का यह जवाब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

सुपर जोइनिंग वीक

उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live

आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से

रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की

12 पेज का फुल अखबार

एक बार कॉल अवश्य करे

9027776991

प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

संपादकीय Editorial

Pseudo diplomacy on 'war'

Why was only Ukraine mentioned in the context of war in the 'New Delhi Declaration' of the G-20 Summit? Wars are never one-sided. Their dangers and effects are also all-round. Ukraine was attacked by Russia, this is a global fact, but today Ukraine too, with the military help of Western and European countries, is carrying out drone attacks on Moscow and other big cities. More than 2.5 lakh Russian soldiers have been killed so far. The number of artillery, ships, armored vehicles and armories etc. that have been destroyed is in thousands. Most of the area of Ukraine has become ruins. Ukraine has become a 'puppet' of America and NATO countries and it is its destiny to become a 'scapegoat'. There is no estimate as to when the cities, villages and areas destroyed by the war will be rebuilt. The war has disrupted the world's major supply chains of wheat, edible oil, fertilizers, gas etc. Russia and Ukraine have been the major exporters of these goods. As a result, a global crisis is before us. If the G-20 summit was concerned about the horrors of war, it should have been given due mention.

Russia and China could express their disagreements during brainstorming and discussion. Indonesia's Bali summit condemned Russia for the war. The language of his manifesto was relatively sharp, hence the division between the big powers became deeper and sharper. Russia is an old and tried 'friend' of India, hence relations could not be soured just because of its mention in the manifesto, as a result India tried to maintain a balance by focusing on economic and stable development. Of course, G-20 is the biggest forum for economy and development, but what was done in the Delhi Declaration is a big lie and an example of pseudo diplomacy. The Russia-Ukraine war continues even today. India has not been able to convince its friend Russia to end the war.

New Delhi: The representatives of Russia and China in the G-20 had clearly refused such a declaration in which Russia would have been condemned for the war. Ultimately Delhi had to weave a language which was acceptable to Moscow and Beijing. However, it was also mentioned that territorial sovereignty and integrity should be respected and no force should be used on it. There was consensus and unity in the G-20 regarding the war, but this unity seems to be temporary. The question is also how the Western countries agreed to soften the language of the Bali Declaration. They have been very aggressive towards Russia and China.

In fact, they started feeling that they were losing the power of discussion on the issue of Ukraine in the countries of the Global South. Although most of the developing countries voted with the West regarding Russia's attack on Ukraine, the overwhelming majority in the UN General Assembly was also against Russia, but the countries of the Global South were hesitant or opposed to the decisions to impose all-round sanctions on Russia. Have been. He has advocated for a focus on the wider impacts of war on civil societies. Earlier, the Corona global pandemic had almost shattered human societies. Instead of making Ukraine a central issue at the G-20, the West chose to work with New Delhi and emerging powers to address the concerns and concerns of the Global South. America's apparent thinking was that China was more dangerous for the West than Russia, so it decided to come closer to India and the developing and Global South, so that China could be directly countered. It is the success of India's diplomatic class that Ukraine was also discussed on the G-20 platform and it was given a place in the manifesto. However, organizing G-20 added a lot to India's fame and power. Now India is also being called the 'uncrowned king' of African countries.

Hunger is more in independent India than in neighboring countries

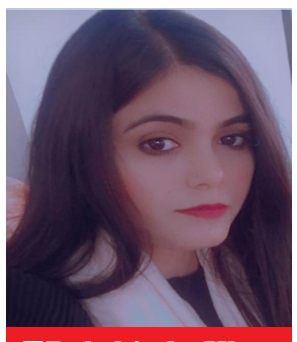

■Rokshinda Khan

New India Hunger India "The most extreme form of starvation or hunger, which involves the destruction of some body parts and death. According to WHO, hunger is a serious problem for the overall health of the world.And so far, malnutrition is responsible for half of the total cases of child deaths. According to FAO, currently more than 1 billion people or one in every 6 people are affected by hunger.The Global Hunger Index report for the year 2022 has been released, in which its neighboring countries Pakistan, Sri Lanka, Nepal and Bangladesh are in a better situation than India." Talking about India, according to the Global Hunger Index 2022 report, India ranked 107 out of 121 countries,Whereas its neighboring country Pakistan is at 99th position.The best placed country in South Asia in this list is Sri Lanka. Sri Lanka, which is struggling with economic problems, has been ranked 64th in this index.India's neighboring country Nepal is at 81st place while Bangladesh is at 84th place.Except for one neighboring country, Afghanistan, the situation of all the countries is better than India in the Hunger Index, Afghanistan is at 109th place in this list.India's child wasting rate (low weight for height), at 19.3%, is worse than the levels recorded in 2014 (15.1%) and even 2000 (17.15%)."Prevalence of undernourishment has also risen in the country from 14.6% in 2018-2020 to 16.3% in 2019-2021. According to National Health Family Survey_5, Among mothers with a child aged 6-23 months, 18% reported that their child had not eaten any food in the 24 hours before the survey, which is referred to as "zero-food" and raises serious concerns related to severe food insecurity.More than 80% of children had not consumed any protein-rich foods in an entire day, and close to 40% did not eat any grains."Six out of ten children do not consume milk or dairy of any form every day. On the scale related to stunting of children, India is at 35.5 percent in 2022 compared to 38.7 percent in 2014."What are the causes of hunger? Poverty, associated factors, populatio, climate change or lack of effective implementation of policies. In these causes, the most important reason behind the persistent hunger is the poor implementation of the schemes and policies.The Integrated Child Development Services (ICDS) and the National Health Mission (NHM) have not achieved adequate coverage. India has achieved self-sufficiency in food production spanning more than four decades, but this does not guarantee food security. It is painful to see that despite having surplus food, hunger still persists.India is also included in the fastest growing economy of the world. But the situation of hunger in India is getting worse day by day.Many government schemes like, Integrated Child Development Services (ICDS) Scheme, Mission poshan 2.0, Mid-day meal, etc. Despite this, India could not achieve the target.To emerge from this situation, India will have to think in a new way and examine the plans.

The path of one nation, one election is not easy: challenges are bigger than attractive

In a diverse and federal country like India, introducing "One Nation, One Election" (ONOE) law is as tempting as it is complicated. The Government of India will have to face significant practical, constitutional and political obstacles in implementing this idea on a practical basis. Despite the monsoon session of Parliament being over on August 11, the Central Government suddenly calling a special session of Parliament from September 18 to 22 is a clear sign of a big political explosion. But at the same time, by constituting a committee under the chairmanship of former President Ramnath Kovind to consider the possibilities of the system of "One Nation, One Election", it seems that the government is going to make a constitutional arrangement to hold simultaneous elections in a special session. Apart from this, political weapons like Uniform Civil Code and Women's Reservation Bill can also be used to destroy the 'India' Alliance. However, the discussion is about simultaneous elections. In a diverse and federal country like India, introducing "One Nation, One Election" (ONOE) law is as tempting as it is complicated. The Government of India will have to face significant practical, constitutional and political obstacles in implementing this idea on a practical basis. The path is not easy, the constitutional hurdles are not less, the biggest challenge to the constitutional provisions is to hold simultaneous elections for the Lok Sabha and the Legislative Assemblies of all the states. The Constitution of India does not provide for simultaneous elections at the national and state levels. Amending the Constitution to enable this idea would require significant political consensus and a lengthy process. The terms fixed for the State Legislative Assemblies and the Lok Sabha are not synchronized. Reconciling these conditions will require constitutional amendments and legal changes at both levels. According to constitutional experts, for this, at least 5 articles of the Constitution will have to be amended, which include Articles 83, 85, 172, 174 and 175. It is not easy to reduce the tenure of the Legislative Assemblies - under Article 83 Clause (2) The tenure has been fixed for exactly 5 years. Provision has been made in Article 85 of the Constitution regarding the session of Parliament. The tenure of the Legislative Assembly of a state in India is determined by Article 172 of the Constitution. This article specifies that the normal tenure of the State Legislative Assembly shall be five years. But it can also be dissolved earlier by the Governor of the state in certain circumstances, such as when the Assembly loses the confidence of the majority or when the Governor recommends its dissolution. The Constitution also allows extension of the term of the Assembly in the event of a declaration of emergency. The same article provides that while a Proclamation of Emergency is in operation, the Parliament may by law extend it for such period not exceeding one year at a time and in no case after the Proclamation ceases to be in operation, it The extension shall not exceed a period of six months. In case of breakdown of the constitutional machinery of the State, the Central Government assumes control of the administration of the State by using the power conferred in Article 356. This article is also called "President's Rule". But now the use of this article is no longer easy. Necessary provisions will also have to be made to accommodate the special situation of Union Territories which do not have their own Legislative Assemblies. Article 324 will be amended to empower the Election Commission with additional powers and responsibilities to coordinate simultaneous elections so that the Commission can declare election dates ahead of time even without the consent of the state government. Electoral separation started after 1967 – the first elections after independence were held simultaneously. After this, Lok Sabha and Assembly elections were held simultaneously in 1957, 1962 and 1967 also. But due to defection, political instability and repeated use of Article 356, the order of simultaneous elections broke down. The state government has been falling prematurely through no-confidence motion and the Assembly has not been in a position to elect a new majority government. Now there will also be a need to amend the relevant provisions related to no-confidence motions and dissolution of legislative assemblies. To change the timing of elections, the Tenth Schedule (anti-defection law) will also have to be amended. It is important to note that constitutional amendments in India require two-thirds majority in the Lok Sabha and Rajya Sabha and support by at least half of the state legislatures. Achieving such consensus and successfully amending the Constitution is a long and challenging process. Administrative hurdles and limited resources – There is also an argument for saving money in favor of simultaneous elections, but conducting elections in a large and populous country like India requires extensive logistical planning and resources. Holding simultaneous elections will put immense pressure on the Election Commission of India, security forces and administrative machinery. Ensuring the availability of electronic voting machines (EVMs), trained personnel and adequate infrastructure in every corner of the country will be a difficult task. The new arrangement may lead to a focus on national issues and neglect of regional concerns, which could potentially Can weaken federalism. Achieving political consensus among various parties at the national and state level regarding simultaneous elections is challenging. The opposition parties seem to be disturbed by this idea. Given the circumstances in which this step is being taken, doubt is natural. The initiative could be on a limited basis at first – There is also an idea that in some states, this work could be started as a pilot project to assess the feasibility and overcome the challenges. At present its possibility seems high. The tenure of the seventeenth Lok Sabha is ending on 16 June 2024. Therefore, general elections are possible between April and May. But the Central Government can conduct elections even before that, so that elections in more and more states can also be held along with the Lok Sabha. The terms of at least ten state assemblies are ending on or before the time they are scheduled for general elections in 2024. Whereas assembly elections in five states – Madhya Pradesh, Rajasthan, Telangana, Mizoram and Chhattisgarh are scheduled to be held by the end of this year. Elections are likely to be held along with the Lok Sabha elections in Andhra Pradesh, Arunachal Pradesh, Odisha, Sikkim and Jharkhand. Whereas the elections of Mizoram, Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Rajasthan and Telangana are to be held from December to January 2024. Generally, the recommendation to hold early elections is made by the Union and State Cabinets and then the Election Commission announces the election dates. According to Article 172, the tenure of the Assembly is fixed for 5 years. Since the Election Commission is autonomous in name, but in practice it is a department of the Central Government, which generally works as per the convenience of the Central Government. Therefore, the state elections to be held in June can also be held ahead of schedule along with the Lok Sabha. Currently, 10 states are ruled by BJP and 4 are ruled by NDA. Since the BJP has to fight the elections on the face of Modiji, the ruling BJP, if it wishes, can conduct the elections in these states along with the Lok Sabha much ahead of time with the consent of the state governments. The central government can amend Article 356 to conduct early elections in the four states currently ruled by Congress, Himachal and Karnataka, and Aam Aadmi Party ruled Punjab and Delhi as well as West Bengal. Lack of consensus This is a complex undertaking in a diverse and federal country like India. Strong political will is required to achieve consensus, overcome constitutional and legal hurdles, and ensure a smooth transition.

तेज रफ्तार कार ने दो बाइकों को मारी टक्कर, छात्र की मौत, दरोगा के उत्पीड़न के परेशान था मृतक

मुरादाबाद-सड़क हादसे में युवक की मौत से गुस्साए लोगों ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में तैनात एक दरोगा और सिपाही से वरुण परेशान था। उन्होंने इस घटनाक्रम की जांच की मांग की है। ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद रोड पर तेज रफ्तार एक कार ने दो बाइकों में टक्कर मार दी। इसमें बाइक चला रहे छात्र वोवदवाला निवासी वरुण कुमार चौहान (19) की मौत हो गई जबकि पीछे बैठा उसका दोस्त गांव सुंदरनगर भूतखेड़ा निवासी सौरभ घायल हो गया। दूसरी बाइक पर सवार एक ग्रामीण लौंगी खुर्द निवासी तहसीन अहमद भी घायल हो गया। परिजनों का आरोप है कि वरुण एक हलका दरोगा के कारण तनाव में था। घायल सौरभ का काशीपुर के अस्पताल तथा तहसीन अहमद का स्थानीय निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। ठाकुरद्वारा क्षेत्र के गांव वोवदवाला निवासी वरुण कुमार चौहान पुत्र तेजपाल सिंह ठाकुरद्वारा नगर के कोचिंग सेंटर में पढ़ता था। सोमवार को वह अपने दोस्त गांव सुंदरनगर भूतखेड़ा निवासी सौरभ पुत्र जयपाल सिंह के साथ किसी कार्य से मुरादाबाद रोड पर जा रहा था। गांव मुंशीगंज के पेट्रोल पंप के पास दोपहर करीब 12 बजे सामने से आई तेज रफ्तार ईको कार ने दो बाइकों को टक्कर मारकर रौंद दिया। इसमें एक बाइक पर सवार वरुण चौहान और उसका दोस्त सौरभ गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि दूसरी बाइक पर सवार गांव लौंगी खुर्द निवासी तहसीन अहमद भी घायल हो गए। तहसीन अहमद को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि गंभीर घायल वरुण और सौरभ को 108 एंबुलेंस से नगर के सरकारी अस्पताल में लाया गया। यहां डॉक्टर ने जांच के बाद वरुण को मृत घोषित कर दिया। जबकि सौरभ को गंभीर हालत में निजी एंबुलेंस से काशीपुर भेज दिया गया। जानकारी मिलने पर वरुण के परिजन और ग्रामीण अस्पताल में आ गए। उन्होंने अस्पताल में आरोपी कार चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। यहां पुलिस से उनकी जमकर नोकझोंक हुई। मृतक के परिजन कोतवाली में तैनात एक दरोगा और कांस्टेबल को लेकर भारी गुस्से में थे। वह कार चालक को अस्पताल में हाजिर करने की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर परिजन और ग्रामीणों ने पहले स्योहारा-सुरजननगर मार्ग पर बाबू रामपाल द्वार और कमलापुरी चौराहे पर जाम लगाया। फिर शव को लेकर ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद हाईवे पर नगर के तिकोनिया बस स्टैंड पर पहुंचे और शव को बीच सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। करीब तीन घंटे तक ग्रामीणों ने स्योहारा और ठाकुरद्वारा मुरादाबाद हाईवे को जाम किया। इस दौरान परिजनों और ग्रामीणों की पुलिस से कई बार नोकझोंक हुई। ग्रामीणों ने मांग पूरी हुए बिना जाम खोलने से इन्कार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने कहा कि वह जाम खोल दें। कार चालक पुलिस के कब्जे में है लेकिन ग्रामीण नहीं माने। जानकारी होने पर क्षेत्र के पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह जाम स्थल पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीण से वार्ता की। पुलिस को ग्रामीणों की मांग पूरी करने के निर्देश दिए। पुलिस ने उनकी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस पर ग्रामीणों ने जाम खोल दिया। करीब तीन घंटे तक जाम में सैकड़ों वाहन फंसे रहे। लोगों को भारी परेशानी हुई।

आरोपी दरोगा लाइन हाजिर, वसूले गए तीन लाख रुपये होंगे वापस- सर्वेश सिंह

क्षेत्र के गांव वोवदवाला निवासी छात्र वरुण चौहान की मौत के लिए उसके पिता तेजपाल सिंह ने एक दरोगा को जिम्मेदार ठहराया।?उन्होंने पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह के सामने रोते हुए बताया कि करीब 15 दिन पूर्व दरोगा संदीप मलिक ने उनके पुत्र पर झूठा आरोप लगाकर उत्पीड़न किया। जिस पर उसके पुत्र वरुण की झूठे आरोप को लेकर दरोगा से काफी नोकझोंक और मारपीट भी हुई थी। मारपीट में दरोगा का वर्दी एक बिल्ला टूटकर गिर गया था। जो उनके पास सबूत के तौर पर मौजूद है। आरोप है कि मामले को निपटाने के लिए दरोगा ने उनसे तीन लाख रुपये लिए थे। जिससे इस घटना के बाद उनका पुत्र वरुण तनाव में रहता था। तनाव के चलते ही उसके पुत्र की मौत हुई। इसके लिए दरोगा और एक कांस्टेबल जिम्मेदार है। उन्होंने पूर्व सांसद से आरोपी दरोगा, एक कांस्टेबल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिस पर पूर्व सांसद ने एसएसपी हेमराज सिंह मीना से मोबाइल पर वार्ता की। पूर्व सांसद ने बताया कि एसएसपी ने दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया है। पूर्व सांसद के अनुसार दरोगा द्वारा लिए गए रुपए को पुलिस के अधिकारी मृतक के पिता तेजपाल सिंह को वापस करेंगे।

गुलाम नवी प्रकरण: भोजपुर थानाध्यक्ष ने एसएसपी को भेजी रिपोर्ट, आरोपों को बताया फर्जी

मुरादाबाद-बहेड़ी ब्रह्मनान का अब्दुल खालिक उर्फ खालिक अंसारी अपने बेटे गुलाम नवी की हत्या कर शव गायब करने का आरोप पुलिस पर लगा रहा है। इस मामले में भोजपुर थानाध्यक्ष ने एसएसपी को जांच रिपोर्ट भेजी है। थानाध्यक्ष ने एसएसपी को बताया है कि खालिक ने पुलिस, प्रधानाध्यापक और अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध कुल 30 ऑनलाइन प्रार्थना पत्र दिए हैं। जांच रिपोर्ट में एक मामले में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांचाल पर 15 लाख रुपये और दूसरे मामले में विवेचक अनिल कुमार पर 5.10 लाख रुपये घूस लेने के आरोप का भी जिक्र किया है। ये आरोप भी खालिक और उसके बेटे गुलाम नवी ने लगाकर उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिए थे। थानाध्यक्ष की जांच रिपोर्ट के मुताबिक, 22 जुलाई को खालिक की पत्नी बतूलन और उसके बेटे गुलाम नवी, फैजुल ने प्राथमिक विद्यालय बेहड़ी ब्रह्मनान द्वितीय में प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापकों से गाली-गलौज की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार की तहरीर पर 26 जुलाई को तीनों आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई। प्रधानाध्यापक से आरोपी समझौते का दबाव बनाने लगे। बात नहीं बनी तो 5 अगस्त को गुलाम नवी फिर प्राथमिक विद्यालय गया और शिक्षकों को धमकाने लगा। खबर मिली तो दरोगा संजय कुमार ने गुलाम नवी को शांति भंग होने के आरोप में गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट ने मुचलके पर छोड़ दिया लेकिन, गुलाम नवी कोर्ट से जाने को तैयार नहीं था,

वह बैठा रहा। ठाकुरद्वारा थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह ने गुलाम नवी को सीएचसी ले जाकर रात 8ः40 बजे उसका मेडिकल कराया और उसकी बहन खुशबू की सुपुर्दगी में दिया। अब गुलाम नवी का पिता खालिक दरोगा संजय व थानाध्यक्ष अमरनाथ वर्मा पर बेटे की गोली मारकर हत्या कर शव गायब करने का आरोप लगा रहा है। नाम और मोबाइल नंबर बदल कर दिए हैं 30 प्रार्थना पत्र - जांच रिपोर्ट के मुताबिक खालिक आए दिन पुलिस एवं प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार और गांव के अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध नाम और मोबाइल नंबर बदल-बदल कर अब तक ऑनलाइन 30 प्रार्थना पत्र दे चुका है। प्रार्थना पत्र के साथ खालिक ने जो फोटोग्राफ संलग्न किए हैं, वह 18 नवंबर 2022 के हैं। इस दिन पूर्व चौकी प्रभारी विजेंद्र सिंह ने शांति भंग मामले में गुलाम नवी का चालान किया था। वहीं फोटोग्राफ खालिक अपने प्रार्थना पत्र में संलग्न कर रहा है। गुलाम नवी के विरुद्ध 2019 में भी जानलेवा हमला और मारपीट के आरोप में भोजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई थी, उसमें वह जेल भी गया था।

जांच रिपोर्ट में पुराने मामलों का किया जिक्र

18 नवंबर 2022 को मारपीट के आरोप में भोजपुर थाने में शाहिद हुसैन पुत्र आबिद हुसैन बनाम गुलाम नवी पर मामला दर्ज हुआ था। इसकी जांच दरोगा विजेंद्र सिंह ने की थी। इसमें विजेंद्र सिंह ने गुलाम नवी को 19 नवंबर 2022 को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसे एसडीएम कोर्ट में पेश भी किया था। एसडीएम कोर्ट ने गुलाम नवी के विरुद्ध 14 दिन का रिमांड स्वीकृत किया था। उसी वजह से खालिक दरोगा विजेंद्र सिंह पर पैसा लेकर कार्रवाई करने के संबंध में प्रार्थना पत्र देकर शिकायत करना शुरू कर दिया था, फिर गुलाम नवी ने जानलेवा हमला व अन्य आरोपों के तहत 20 मार्च को मामला दर्ज कराया। विवेचक अनिल कुमार ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। भाई की खबर पाकर उसकी बहन किन्नर खुशबू दिल्ली से ठाकुरद्वारा थाने पहुंची थी। वहां बवाल कर रही थी।

इसके पहुंचने से पहले ठाकुरद्वारा थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह एसडीएम कोर्ट पहुंचकर गुलाम नवी को थाने ले आए थे। किन्नर खुशबू के बवाल को देखकर उन्होंने उसी दिन पांच अगस्त की रात 8.40 बजे सीएचसी ठाकुरद्वारा में गुलाम नवी का मेडिकल परीक्षण कराया था। जीडी पर तस्करा दर्ज कर किन्नर खुशबू की सुपुर्दगी में उसे सौंप दिया था। इसके बाद वह कहां चला गया? यह पता नहीं है। - अमरनाथ वर्मा, थानाध्यक्ष-भोजपुर

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता: 11 साल में खोए दोनों बेटे, अब मां-बाप का कोई सहारा नहीं, याद किया तो छलक आए आंसू

क्यूँ न लिखूँ सच
दिनेश परमार

मुरादाबाद मंडी समिति के सामने गली में रहने वाले नैपाल सिंह सिक्योरिटी गार्ड कंपनी संचालित करते हैं। उनके दो बेटे धीरेंद्र और परिवंदर थे। 2011 में मानसिक तनाव के कारण बड़े बेटे धीरेंद्र सिंह ने महज 19 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली। इस दुख से उबरने में परिवार को कई साल लग गए। शोले फिल्म में बुजुर्ग कलाकार एके हंगल का डायलॉग, जानते हो दुनिया का सबसे बड़ा बोझ क्या होता है? ...बाप के कंधों पर बेटे का जनाजा...इससे भारी बोझ कोई नहीं है। 60 वर्षीय नैपाल सिंह का दर्द, फिल्म के इस डायलॉग से भी कहीं ज्यादा है। नैपाल सिंह ने एक नहीं अपने दो जवान बेटों के जनाजों का बोझ अपने कंधों पर उठाया है। उन्होंने 11 साल में अपने दो जवान बेटे खो दिए। मंडी समिति के सामने गली में रहने वाले नैपाल सिंह सिक्योरिटी गार्ड कंपनी संचालित करते हैं। उनके दो बेटे धीरेंद्र और परिवंदर थे। 2011 में मानसिक तनाव के कारण बड़े बेटे धीरेंद्र सिंह ने महज 19 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली। इस दुख से उबरने में परिवार को कई साल लग गए। जैसे तैसे बड़े बेटे की मौत का दर्द भुला कर जिंदगी पटरी पर लौटी ही थी, लेकिन 11 साल बाद 22 वर्षीय छोटे बेटे परविंदर सिंह उर्फ बॉबी ठाकुर ने भी आत्महत्या कर ली। उसकी शादी को महज आठ माह हुए थे। इन दोनों के तनाव का कारण क्या था, मरते-मरते भी किसी ने नहीं बताया। अब बूढ़े पिता नैपाल सिंह और उनकी पत्नी का कोई सहारा नहीं है। दोनों को मलाल है कि अगर बेटों ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले हमसे बात की होती तो कुछ भी करते लेकिन उन्हें मरने न देते।

हंसमुख था बॉबी...कहता था भैया जैसी गलती नहीं करूंगा

बेटों के बारे में बताते-बताते नैपाल सिंह का गला रुंध गया और जुबान लड़खड़ाने लगी। कहते हैं कि छोटा बेटा परविंदर उर्फ बॉबी ठाकुर बहुत हंसमुख था। कभी किसी बात पर वह उदास दिखता था तो हमारी जान निकल जाती थी। उसकी मां उसे समझातीं तो वह हंसने लगता था। कहता था कि मां आप घबराओ मत, जो गलती भैया ने की थी, वो मैं कभी नहीं कर सकता। इसके बावजूद उसने ऐसा कदम उठाया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।

संजो कर रखें हैं बेटों के कपड़े और गिटार

नैपाल सिंह ने अपने घर की तीसरी मंजिल पर छोटे बेटे के कमरे का दरवाजा खोला तो उनकी आंखें डबडबा गईं। कमरे में बॉबी के होम थियेटर के स्पीकर, बॉडी बिल्डिंग के उसके सार्टिफिकेट, तस्वीरें लगी हुई थीं। अलमारी में दोनों बेटों के कपड़े आज भी सही से रखे हुए हैं। अलमारी के नीचे के खाने में रखा गिटार देखकर पिता ने दुख से सिर पकड़ लिया। बोले कि छोटा बेटा बहुत जिद करके यह गिटार लाया था। खुद सीखकर अच्छा बजाने लगा था, ये गिटार भी उसकी अंगुलियों का इंतजार करता है।

काश... बेटों ने अपनी परेशानी बताई होती

नैपाल सिंह और उनकी पत्नी आत्महत्या शब्द सुनकर भी डर से जाते हैं। जिस कारण से उन्होंने अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी पूंजी खो दी, उसका महज बातचीत से हल निकल सकता था। दोनों को इस बात का दुख है कि बेटों ने उन्हें अपनी परेशानी के बारे में बताया तक नहीं। अगर बात करते तो शायद आत्महत्या न करते। पति-पत्नी लोगों से हाथ जोड़कर अपील करते हैं कि परेशानी कैसी भी हो, बातचीत से उसे हल किया जा सकता है। अपने माता-पिता, करीबियों, दोस्तों से अपने दुख जरूर साझा करें, जिससे कोई मां-बाप ढलती उम्र में गम में न डूबें, अपनी किस्मत को न कोसें।

दो सो इकत्तीस वा उर्स हर साल की तरह इस साल भी बड़ी शानो शौकत के साथ मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद में उर्स अब्दुर रशीद मियां रहमतुल्ला आले का दो सो इकत्तीस वा उर्स हर साल की तरह इस साल भी बड़ी शानो शौकत के साथ मनाया गया तीन रोज पोरग्राम पहले दिन कुरान ख्वानी दूसरे दिन नातिया प्रोग्राम जिस में मुकर्रिर बकतिया नईमी नातखा अहमद मिया उस्मानी कासिम कुद्दूसी चांद नईमी अरशद सकलेनी जहीन अशरफी उस के बाद कुल शरीफ हुआ उस के बाद हाजी नुरुल साबरी लतीफी ने दुआ कराई अकीदत मंदो ने आमीन आमीन की सदाई बुलंद की सज्जादे रेहान साबरी सरपरस्त गुलाम मुस्तफा उर्स के आखरी दिन गियाराह बज के चालीस मिनट पर कुल शरीफ हुआ हाफिज इफ्तेखार हुसैन ने दुआ कराई लोगों ने आमीन आमीन की सदाई बुलंद की उर्स कमेटी मिशन चौकी हसन खां मोहम्मद असलम अंसारी हाजी मोहम्मद आसिफ हाजी मुर्सलीन मोहम्मद मतीन साबरी फरिद्दूदिन मोहम्मद सुलेमान मोहम्मद असलम मोहम्मद शमीम मोहम्मद तस्लीम मोहम्मद दानिश मोहम्मद वसीम हाफिज मोहम्मद इमरान मोहम्मद असीम ज़ाकिर हुसैन खादिम खास हाजी नुरुल हसन मोहम्मद फरीद बाबा मुक्तदा हुसैन मुकर्रब हुसैन जाफर हुसैन आदि उपस्थित रहे

पार्षद एकता संगठन की बैठक सम्पन हुई

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद - पार्षद एकता संगठन की एक बैठक वार्ड 65 लाकड़ीवालान के पार्षद जनाब कमर सलीम साहब के यहाँ सम्पन हुई. बैठक मे नगर निगम सम्बंधित अधिकारियो द्वारा पार्षदो के लेटर हेड की अनदेखी एवं कार्यो मे लापरवाही बरते जाने के विरोध मे जल्द आगामी बैठक मे गाँधी मूर्ति कंपनी बाग से पैदल चल निगम कैंप कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जायेगा..जिसकी रणनीति एवं दिनांक आगामी बैठक मे जल्द तय की जाएगी.. बैठक मे - कमर सलीम पार्षद, शमशेर अली पार्षद, रेहान अहमद पार्षद प्रतिनिधि, मो. नईम पार्षद व भारतीय परवेज़ इस्लाम पार्षद एवं शाहिद भाई सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे...

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शिकायतकर्ता की 15296 रुपये पुर्ण की धनराशि को पीडित के क्रेडिट कार्ड में वापस कराया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

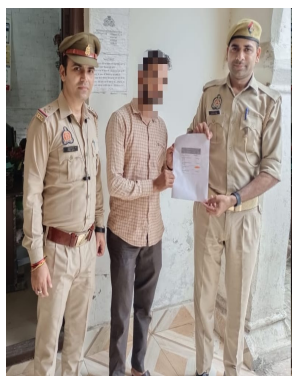

एटा-सराहनीय कार्य साइबर क्राइम सैल जनपद एटा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एटा श्री विनोद कुमार पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर सैल एटा द्वारा आनलाइन ठगी का शिकार हुए शिकायतकर्ता दानिश खान पुत्र मिराजउद्दीन निवासी पटियाली गेट थाना कोतवाली नगर जनपद एटा ने प्रार्थना के माध्यम से अवगत कराया कि शिकायतकर्ता के पास दिनांक 07.09.2023 को फेसबुक पर मोबाइल का विज्ञापन देखा जो काफी सस्ते रेट दिखा रहा था तो फेसबुक पर उपलब्ध लिंक को ओपन करके अपना नाम पता के साथ-साथ क्रेडिट कार्ड की जानकारी भरी थी । जिसके कारण क्रेडिट कार्ड से 15296 रुपये कट गये के आरोप अंकित किये गये । अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एटा द्वारा साइबर सेल की टीम को प्रकरण की जांच कर शिकायतकर्ता की समुचित मदद करने हेतु निर्देशित किया गया। साइबर सैल एटा द्वारा मामले की गंभीरता से जांचकर त्वरित व लाभप्रद कार्यवाही करते हुए तथा सम्बन्धित मर्चेनेट गेट-वे को ई-मेल व जरिये मोबाइल सम्पर्क करते हुये शिकायतकर्ता की 15296 रुपये पुर्ण की धनराशि को पीडित के क्रेडिट कार्ड में वापस कराया गया है। अपने पैसे वापस पाकर शिकायतकर्ता द्वारा एटा पुलिस को धन्यवाद देते हुए भूरि भूरि प्रशंसा की गई है।

अखिल भारतीय बलाई महासभा बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
महेंद्र कुमार जैलवाल

आष्ठा अखिल भारतीय बलाई महासभा नई दिल्ली महासभा के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष श्री राकेश मालवीय पटवारी साहब की अगुआई में मालवीय बलाई समाज धर्मशाला आष्ठा मे महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अंधाराम जी मालवीय साहब प्रदेश उपाध्यक्ष सहज सरकार एवं प्रदेश सचिव श्री राजाराम मालवीय उर्फ राजा कलेक्टर साहब प्रदेश सहसचिव श्री बाबुलाल जी खेडीनगर के आतिथ्य में एक अहम बैठक का अयोजन किया गया। बैठक मे सर्वसम्मति से आष्ठा तहसील के अध्यक्ष पद पर श्री रूपसिंह मालवीय बालाखेडा एवं आष्ठा ब्लाक मे दो तहसील होने से विस्तृत क्षेत्र से जावर तहसील के अध्यक्ष के पद पर श्री दीपक पोरवाल जी खटसुरा को नियुक्त किया गया तथा आष्ठा तहसील के उपाध्यक्ष के पद पर श्री जितेन्द्र कुमार कौशल जी को नियुक्त किया गया जिनकी विधिवत नियुक्तियों जिलाअध्यक्ष महोदय द्वारा की गई हैं। बैठक में संगठन के कोषाध्यक्ष श्री राजेश सोलंकी जी संगठन के सहयोगी श्री मनोहर सिंह सरपंच साहब श्री ओंकारसिंह जी बामनिया साहब सहकोषाध्यक्ष श्री बहादुर सिंह मालवीय जनपद सदस्य मिडियाप्रभारी श्री अशोक कट्टी श्री संतोष गुणवान पत्रकार मुकेश जी पटेल काजीखेडी मनोहर सिंह मालवीय सरपंच आष्ठा कोठरी सर्कल उपाध्यक्ष श्री जीवन सिंह पटेल उपसचिव श्री राजाराम सेठ बरखेडी संगठन के सक्रिय सदस्य श्री अनारसिंह सोलंकी लडलिया विजयसिंह एवं अध्यक्ष श्री लखनसिंह मालवीय कोटवार संघ आष्ठा तथा अन्य जिले एवं तहसिलों से पधारे देवास श्यामपुर नसरुल्लागंज इछावर शुजालपुर से पधारे संगठन के हमारे पदाधिकारीगण एवं संगठन के लोग यही तादात में उपस्थित हुए संगठन समाज मे व्याप्त तमाम बुराईया जैसे नुक्ता प्रथा खर्चीली शादीया प्रथा को जड़ से खत्म करने पर काम करेगा तथा समाज के लोगों को स्वयं के रोजगार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा साथ अन्य जिलो एवं तहसिल में आगामी विधानसभा एवं लोकसभा के चुनावों में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी काम करेगा। श्री राजाराम मालवीय उर्फ राजा कलेक्टर प्रदेश महासचिव ने महासभा द्वारा दिनांक 23.09.2023 को प्रदेश स्तर पर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम मे सभी लोगो को चलने का आव्हान किया है। कार्यक्रम समापन पर आभार संगठन के मिडिया प्रभारी महोदय श्री अशोक कट्टी द्वारा व्यक्त किया गया। नोट- आष्ठा तथा जावर तहसील मे संगठन के शेष पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण साथ ही संगठन का उद्देश्य कार्य नियम यथावत रहेंगे संगठन अनेकता में एकता पर विश्वास करता संगठन राष्ट्रस्तर पर एकरूपता चाहता है।

डीएम सहाब बाल पुष्टाहार खा रही आंगनबाड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-डीएम सहाब सरकार से गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मिलने बाला बाल पुष्टाहार आंगनवाड़ी कार्यकत्री खा रही हैं, माँगने पर धमकी एवं मारपीट की जाती हैं, मजबूरन शिकायत करनी पड़ रही हैं । शायद ऐसा ही कुछ आरोप लगाया हैं एटा विकास भवन पहुच कर विकास खंड सकीट के गाँव गोपालपुर और नगला पुखे के ग्रामीणों ने जनपद के जिलाधिकारी के नाम एक शिकायती पत्र जिला कार्यक्रम अधिकारी को सौपा

चंद दिनों पूर्व हुई घोषणाएं प्रशासन द्वारा कि सड़कों पर अगर कोई भी आवारा जानवर पाया जाता है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- चंद दिनों पूर्व हुई घोषणाएं प्रशासन द्वारा कि सड़कों पर अगर कोई भी आवारा जानवर पाया जाता है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी एटा की बीआई पी कालोनी बनी जानवरों का अड्डा इसमें कुत्ता बन्दर और गौशाला भी-- सामिल है इस कॉलोनी में प्राइमरी स्कूल से लेकर इंटर कॉलेज तक चार-चार मौजूद है सुबह या दोपहर छुट्टी के टायम बच्चे जब स्कूल जाते और आते हैं तो यह जानवर रास्ते में इधर-उधर दौड़ते होते हैं जैसे तैसे पेरेंट्स बच्चों को स्कूल तक तो छोड़ते ही हैं लेकिन बहुत संघर्ष के साथ कभी-कभी बंदर और गाय सांड अटैक भी करते हैं बंदरों और सांडों ने कई इंसानों की मौत और जख्मी भी किए हैं लेकिन शासन और प्रशासन इतनी सख्त घोषणाएं करती है दूसरे दिन लगता है की सब ठीक-ठाक हो जाएगा लेकिन वही ढाक के तीन पात कुछ भी नहीं सब जस का तस इंसानों की बस्तियों में यह जानवर खुलकर तांडव करते हैं सुबह या पूरे दिन सड़कों पर बुजुर्ग बच्चों या महिलाएं कोई भी इंसान बहुत दहशत के साथ संभल कर अपने गन्तव्य तक पहुंचते हैं गौशालाओं की स्थिति जिंदा नरक जैसी पाई गई कई बार दलदल में भूखे प्यासे तड़प तड़प कर मरते गोवंश भी पाए गए आखिर सरकार से आया हुआ निवाला इनके नाम का जाता कहां कहां है।

नव प्रतिष्ठान वासले लॉन्ड्री, रेलवे रोड, एटा का फीता काटकर किया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- सांसद राजवीर सिंह (राजू भईया) ने पत्रकार आदित्य यादव के नव प्रतिष्ठान वासले लॉन्ड्री, रेलवे रोड, एटा का फीता काटकर किया उद्घाटन। उद्घाटन के बाद राजवीर सिंह राजू भैया ने बटन दबाकर मशीनों का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह लोधी विधायक मारहरा, आशीष यादव (आशू) एमएलसी, संदीप जैन जिलाध्यक्ष भाजपा, ममतेश शाक्य पूर्व विधायक, प्रजापालन पूर्व विधायक, शिशुपाल सिंह यादव पूर्व विधायक, पुष्पेंद्र लोधी ब्लॉक प्रमुख शीतलपुर, भीषमपाल सिंह यादव, शिशुपाल सिंह जावडा, दुलारे सिंह भदौरिया, देवेंद्र चौधरी (बंटी), अनिल प्रधान, अनिल चौधरी, मंथन चौधरी, मेधाव्रत शास्त्री, शराफत हुसैन (काले), विनोद यादव जिला पंचायत सदस्य एवं तमाम गणमान्य लोग व पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

नागरिकों की आस्था का प्रतीक वार्ड 15 इंदिरा कॉलोनी स्थित मां लालबाई-फूलबाई मंदिर में लगेंगे पेबर्स

क्यूँ न लिखूँ सच -दिनेश परमार

आष्ठा वार्डवासियों की मौजूदगी में विधायक प्रतिनिधि एवं पार्षद ने किया भूमिपूजन आष्ठा। नगरपालिका द्वारा नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखते हुए नगर के धार्मिक स्थलों की सुंदरता का भी ध्यान रखा जा रहा है। इसी के चलते विधायक प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, वार्ड पार्षद द्वारा वार्ड क्रमांक 15 कॉलोनी में मां फूलबाई माता मंदिर दुकानों के सामने पेबर्स का निर्माण कार्य किया गया। उक्त कार्य विधायक प्रतिनिधि वार्ड पार्षद तेजसिंह रूप से किया गया। दुर्गादास बैरागी द्वारा विधान एवं मंत्रोच्चार कार्यक्रम संपन्न विधायक प्रतिनिधि जानकारी देते हुए लालबाई-फूलबाई से

तेजसिंह राठौर स्थित इंदिरा लालबाई परिसर में एवं सुंदरता की दृष्टि से का भूमिपूजन का भूमिपूजन रायसिंह मेवाड़ा, राठौर द्वारा संयुक्त मंदिर के पुजारी पूर्ण विधि- के साथ भूमिपूजन कराया। रायसिंह मेवाड़ा ने बताया कि मां संपूर्ण नगर की आस्था जुड़ी है, यह एक प्राचीन चैतन्य स्थान है। विधायक प्रतिनिधि श्री मेवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर के सामने स्थित परिसर में लगभग 2 लाख 50 हजार रूपये की लागत से उच्च गुणवत्ता के पेबर्स स्थापित किए जाएंगे। पेबर्स स्थापन का कार्य पूर्ण होने से मंदिर पृष्ठ भाग से सुंदर व यहां का स्थान व्यवस्थित होगा, वहीं मंदिर परिसर में मौजूद दुकानों पर आने वाले ग्राहकों को भी सुविधा होगी। इस अवसर पर दुर्गादास बैरागी, राजेश बजाज, देवबगस मेवाड़ा, दिलीप श्रीवास्तव, भैरूसिंह मालवीय, निर्मल मालवीय, दरियावसिंह मालवीय, फूलसिंह मालवीय, मुकेश मालवीय, अर्जुनसिंह ठाकुर, भगवानसिंह बैरागी, नर्मदा मेवाड़ा, विजय मेवाड़ा प्रदीप कुशवाहा मनीष कालोदिया मौजूद थे।

आवारा पशुओ का आतंक रौंद रहे खड़ी फसलें

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- आवारा आतंक से फसलों को बचाने के लिए किसान रात-रातभर जागकर काट रहे हैं। गोवंश के झुंड खेतों में घुस कर सर्वाधिक धान, बाजरा की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे किसान परेशान हैं। शासनादेश के अनुसार मार्गों पर घूमने वाले गोवंशों को अभियान चलाकर 15 सितंबर तक गोशालाओं में संरक्षित किया जाना है। जिससे एक तरफ गोवंशों के कारण होने वाले हादसों पर रोक लगे
और फसल संबंधी नुकसान होने से रोका जा सके। बाबजूद इसके मुख्य मार्गों, बाजारों से लेकर खेतों तक गोवंशों के झुंड भटक रहे हैं, जिससे आए दिन वाहन दुर्घटनाएं हो रही है। कई बार तो उनकी वाहनों के टक्कर से मौत भी हो रही है। इतना ही नहीं देहात क्षेत्रों में घूमने वाले गोवंशों के झुंड खेतों में घुस कर किसानों की फसलों को अपने पैरो तले रौंद कर बर्बाद कर रहे है। जिससे परेशान किसान दिन के अलावा रात-रातभर जागकर फसलों की रखवारी कर रहे है। आवारा गोवंशों के झुंड जैथरा, अवागढ़, वसुंधरा, सकीट, शीतलपुर, अलीगंज आदि क्षेत्रों में धान, बाजरा के अलावा सब्जी वर्गीय फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है।

विश्व हिंदू महासंघ का कार्यक्रम हुआ संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- उत्तर प्रदेश के जनपद एटा में आज विश्व हिंदू महासंघ का कार्यक्रम संपन्न हुआ , भारी बारिश एवं खराब मौसम के बीच भी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम में विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी लाल प्रजापति , जनपद एटा के सांसद राजवीर सिंह राजू भैया , भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप जैन , मारहरा विधायक वीरेंद्र वर्मा , विधान परिषद सदस्य आशीष यादव 卐आशू卐 एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अलीगढ़ के प्रतिनिधि प्रवीण राज , विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष हुतेंद्र जादौन मुख्य रूप से उपस्थित रहे । वक्ताओं ने अपने विचार रखे एवं सभा को संबोधित किया । प्रदेश अध्यक्ष भिखारी लाल प्रजापति ने बताया कि संत अवैद्यनाथ की प्रथम पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित यह कार्यक्रम सनातन संस्कृति के उत्थान हेतु आयोजित है , हिंदुओं को अपने गौरवशाली इतिहास को जानना चाहिए एवं उसे सीखना चाहिए ताकि भविष्य में कोई हिंदुओं के ऊपर प्रश्न चिन्ह ना खड़ा कर सके । विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष हुतेंद्र जादौन ने बताया कि मौसम खराब होने के बावजूद भारी बारिश के बीच भी भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे जो संगठन की लोकप्रियता का उदाहरण है। प्रदेश पदाधिकारी सुश्री श्रीवास्तव कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य को अपना डीएनए चेक करने की आवश्यकता है और अगर वह हिंदू धर्म से इतनी ही नफरत करते हैं तो अपना नाम स्वामी प्रसाद मौर्य बदलकर कोई दूसरा रख लें

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के बाद छठी के दिन अन्नप्राशन का कार्य संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
शिवकुमार मिश्र

रीवा छत्रपति नगर वार्ड नंबर 26 में द्वारकाधीश निवास क्यूँ न लिखूँ सच के सह संपादक मध्य प्रदेश प्रदीप कुमार तिवारी जी के निज निवास द्वारकाधीश निवास में बड़े ही धूमधाम से कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई थी इसी कड़ी में आज भगवान श्री कृष्ण जी के छठी के दिनअन्नप्राशन कराया गया जिसमें छत्रपति नगर की कई महिलाओं ने भजन गीत गाकर घर को मंदिर बना दिया एवं भगवान से प्रार्थना की विश्व में सुख शांति बनी रहे उर्मिला मिश्रा अरुणा शर्मा काजल शर्मा गरिमा शर्मा अनामिका द्विवेदी सीमा त्रिपाठी स्नेह लता सिंह अंजू मिश्रा ज्ञानवती मिश्रा उषा सिंह नीतू सिंह ज्योति सिंह आदि महिलाएं मौजूद थी

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

खेत की फसल रखवाली के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से युवा किसान की खेत पर ही मौत

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी - झाँसी थाना अंतर्गत रानीपुर पुलिस चौकी के गांव कंचनपुरा निवासी युवा किसान कन्हैया उर्फ बल्लू पुत्र ढडकोले ढीमर उम्र 30 वर्ष की खेत में बोई तिली उर्द मूंगफली मूंग की फसल की रखवाली के दौरान भयंकर बारिश एवं आकाशीय बिजली गिरने से किसान कन्हैया उर्फ बल्लू ढीमर की दुखद मौत हो गई। 11 सितंबर दोपहर लगभग 2ः00 बजे की घटना हुई जब भयंकर बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से गरीब किसान की जान चली गई। बताते चलें कन्हैया उर्फ बल्लू तीन बीघे का किसान था उसके ऊपर पत्नी नीतू सहित तीन छोटे बच्चों पुत्र अभय 8 वर्ष पुत्र अंश 6 वर्ष पुत्री चंचल 5 वर्ष के भरण पोषण की जिम्मेवारी थी खेती किसानी

मेहनत मजदूरी करके अपना अपने परिवार का भरण पोषण करता था 2 लाख रुपए का केसीसी ऋण भी लिया हुआ था आज इस हृदय विधायक घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया इस हृदय विदारक घटना की सूचना मिलते ही कांग्रेस किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शिव नारायण सिंह परिहार गांव कंचनपुरा पहुंचे परिजनों को ढांढस बंधाते हुए शोक संवेदना प्रकट की साथ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से अविलम्ब 72 घंटे में मृतक किसान के परिजनों को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद की मांग की। मौके पर कमलेश रतीराम चंद्रभान हरिकिशन भज्जू मनीराम जुगल विनोद राजेश चंद्रभान देवेंद्र प्यारेलाल बेधड़क किशोरी लाल यादव सहित सेकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे।

जेसीआई सप्ताह में मनस्विनी द्वारा पौधों का किया आदान-प्रदान

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी - जेसीआई झाँसी मनस्विनी द्वारा जेसीआई सप्ताह जयेत्रा के अवसर पर अध्यक्ष रजनी गुप्ता अध्यक्षता में होटल यात्रिक में कार्यक्रम आयोजित किया गया. वृक्ष ही हमारे जीवन दाता हैं इस पर सदस्याओं द्वारा संगोष्ठी का आयोजन हुआ. इस संगोष्ठी में मौजूद मनस्विनी की सभी सदस्याओं ने अपने अपने विचार रखे. चार्टर अध्यक्ष रजनी गुप्ता ने वृक्षों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि वृक्ष हमें माता पिता की तरह ही जीवन देते हैं और हमें हर हाल में उनका संरक्षण करना ही चाहिए.वृक्ष लगाने मात्र भर से हमारी जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती ।।हम जो भी वृक्ष लगाएं उसकी जिम्मेदारी का प्रण भी

अवश्य उठाएं।। साथ ही उन्होंने पॉलिथीन हटाओ, प्लास्टिक हटाओ जैसी मुहिम पर भी जोर दिया.साथ ही प्राणदायक वृक्षों के बारे में उन्होंने कहा कि थोड़े से इलाज करने वाले डॉक्टर को तो हम भगवान मानते हैं जबकि जीवन भर प्राण वायु ऑक्सीजन देने वाले वृक्षों की हम कद्र नहीं करते। इसके बाद मनस्विनी की सभी सदस्याओं ने एक दूसरे को गुणकारी,सुंदर पौधों को एक दूसरे को समर्पित किया. इस अवसर पर अध्यक्ष रजनी गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, प्रभा गुप्ता, निधि नगरिया, अंजलि त्रिपाठी, रामश्री बरसैंया, पल्लवी चतुर्वेदी, उर्मिला पटेरिया आदि सदस्य उपस्थित रहे. सभा का संचालन रजनी गुप्ता व सचिव रजनी वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विवाहिता की मौत, दहेज हत्या का आरोप, बुलेट के लिए करते थे प्रताड़ित

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ प्रीति की शादी गांव बसेरा निवासी श्याम के साथ करीब पांच वर्ष पहले की थी। ससुराल वाले शादी के बाद दहेज में बुलेट की मांग करते हुए उनकी बहन को प्रताड़ित कर रहे थे। रविवार को फंदे पर लटकाकर उसकी हत्या कर दी गई। गांव बसेरा में एक विवाहिता का शव ससुराल में फंदे पर लटका मिला। मृतका के भाई ने दहेज के लिए हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मृतका की सास को गिरफ्तार कर लिया है। इगलास थाना क्षेत्र के गांव बक्सा के हरकेश पुत्र भीकंबर के अनुसार उन्होंने अपनी बहन प्रीति की शादी गांव बसेरा निवासी श्याम के साथ करीब पांच वर्ष पहले की थी। ससुराल वाले शादी के बाद दहेज में बुलेट की मांग करते हुए उनकी बहन को प्रताड़ित कर रहे थे। फंदे पर लटकाकर उसकी हत्या कर दी गई। हरकेश की तहरीर पर पति श्याम सहित ससुर लालाराम, जेठ विनीत व सास पुष्पा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुष्पा को पकड़ लिया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी सास को जेल भेज दिया गया। उधर मायके पक्ष ने पोस्टमार्टम के बाद शव को अपने गांव बक्सा ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया।

मां से हुआ विवाद, तो बेटे ने खुद को गोली मारकर दे दी जान, नहीं मिली कोई तहरीर

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़-अलीगढ़ महानगर के क्वार्सी क्षेत्र के बेगमबाग में रात मजदूर ने खुद की कनपटी पर तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के मूल में पारिवारिक कलह और मां से विवाद होना बताया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया है। बताया गया है कि बेगमबाग का 42 वर्षीय देवेश उर्फ बंटी हरिद्वार की एक कंपनी में नौकरी करता था। तीन बच्चों का पिता देवेश रक्षाबंधन पर परिवार को लेकर घर आया था। तब से यहीं पर था। पुलिस को परिवार से मिली जानकारी के अनुसार दो दिन पहले उसका मां से विवाद हुआ। इसके बाद से कलह चल रही थी। रात में देवेश अपने बेटे कार्तिक संग कमरे में था। पिता दूसरे कमरे में सो रहे थे। मां किसी काम से बाहर गई थी। इस दौरान उसने खुद की कनपटी पर गोली मार ली। फायर की आवाज पर परिजन व पड़ोसी एकत्रित हुए। तब तक उसकी मौत हो गई। आनन-फानन उसे ट्रामा सेंटर में ले जाया गया। मगर बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। किसी तरह की तहरीर नहीं मिली है।

प्रधानमंत्री 17 सितंबर को करेंगे पीएम विश्वकर्मा योजना को वर्चुअल लॉन्च

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी - जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना पी0एम0 विश्वकर्मा योजना की वर्चुअल लॉन्चिंग की तैयारी की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को दिए दायित्व। जनपद में 17 सितंबर को पीएम विश्वकर्म योजना के वर्चुअल लॉन्चिंग के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास एवं अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री भारत सरकार की मुख्यआथित्य में आयोजित किया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने जनपद सहित लखनऊ,गोरखपुर एवं बनारस में पीएम विश्वकर्मा योजना के वर्चुअल लॉन्चिंग का सीधा प्रसारण होने की जानकारी देते हुए उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने

परियोजना निदेशक नही स्क जैन को निर्देशित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल सभागार में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की सभी तैयारी समय से सुनिश्चित कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पी0एम0 विश्वकर्मा योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर सर्वाधिक पंजीकरण जनपद से होना चाहिये। उन्होंने खंड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर निकायों को दायित्व देते हुए कहा कि अधिक से अधिक 18 वर्ष से अधिक युवाओं का पंजीकरण कराना सुनिश्चित किया जाए।इस योजना का लाभ पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों को ज्यादा से ज्यादा से मिलना चाहिए। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने योजना अंतर्गत जनपद में अधिक से अधिक पात्र को पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को जानकारी देना सुनिश्चित करें, इसके अतिरिक्त उन्होंने विद्यालयों में भी वहां अध्यनरत छात्र-छात्राओं को योजना की जानकारी दिए जाने का भी सुझाव दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एस के वर्मा, चौधरी, एमएसएमई कानपुर सुनील कुमार अग्निहोत्री, डीपीआरओ जे आर गौतम सहित समस्त बीडीओ,ईओ नगर निकाय उपस्थित रहे।

झाँसी के महाविद्यालय में नकल का खेल खुलेआम जारी, वीडियो हुआ वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी -उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन लगातार नकल पर नकेल कसने का प्रयास कर रही है। वही कुछ विद्यालय ऐसे है जो बच्चो को पढ़ाई का पाठ पढ़ाने की जगह नकल कराकर पास कराने का दावा करते है। कुछ ऐसा ही वीडियो सोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जहां कॉलेज के कर्मचारी और बच्चो के बीच बहस चल रही है। जिसमे बच्चे कॉलेज में हो रही नकल का विरोध कर रहे है। वही कॉलेज के शिक्षक बच्चो को नकल करने का पाठ पढ़ाते हुए नजर आ रहे है।बताया गया है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो झांसी के मऊरानीपुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा रानीपुर का है। जहां पर संत शिरोमणि

महाविद्यालय में चल रहे सेमेस्टर में खुलकर नकल कराने का खेल खेला जा रहा है। जिसका विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों द्वारा जमकर विरोध किया गया। वही विद्यालय में तैनात शिक्षको द्वारा बच्चो का समझाने का प्रयास किया जा रहा है। आपको बता दे शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के कई महाविद्यालय संचालित है। जो विद्यालय में छात्रों का नामांकन बढ़ाने के लिए नकल कराने का ठेका लेते है। और बच्चो के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते है। और अगर यह नकल नहीं कराएंगे तो ऐसे विद्यालय में जल्द ही ताला लग जायेगा।अब सवाल यह है की आखिर जिला प्रशासन कब ऐसे नकल कराने वाले विद्यालयों पर कार्यवाही करेगा। जो बच्चो के भविष्य को अंधकार में डालने का काम कर रहे है।

फोरम ने उठाई बच्ची की शिक्षा - दीक्षा की जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी - ऑल इण्डिया पयाम - ए - इन्सानियत फोरम झांसी यूनिट ने आज भगवती ज्ञान मन्दिर इन्टर कॉलेज फूटा चोपड़ा में गरीब बच्ची की शिक्षा - दीक्षा की जिम्मेदारी ली। फोरम के सदस्यों तक जानकारी पहुंची थी कि बच्ची के माता - पिता आर्थिक रूप से कमजोर होने के चलते पढ़ाई - लिखाई का खर्च वहन करने की स्थिति में नहीं हैं, ऐसे में इसको शिक्षा ग्रहण करने से वंचित हो सकना पड़ता है। बहरहाल बच्ची को ड्रेस, किताब, स्टेशनरी आदि दिलवा दी गई है और इसके आगे तक की पढ़ाई का जिम्मा ले लिया गया है। बताते चलें कि फोरम शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है और निराश्रित एवं गरीब बच्चो की तालीम को लेकर फिक्रमंद है। इस सिलसिले के तहत भट्टगांव में निःशुल्क कोचिंग सेंटर भी चलाया जा रहा है। बच्चों के प्रवेश कराने में भी संस्था द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इस दौरान मुख्य रूप से संभागीय निरीक्षक चरण सिंह,मुफ्ती इमरान नदवी, अयाज़ खान,प्रधानाचार्या सुरक्षा गुप्ता, निज़ाम खान,हाजी मुजाहिदआदि मौजूद रहे।

थाने में युवक को थर्ड डिग्री देने का लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़-अलीगढ़ हरदुआगंज- साधू आश्रम पनैठी मार्ग पर दुकानों से चोरी की जांच में जुटी पुलिस पर युवक ने दो दिन तक हवालात में बंद कर थर्ड डिग्री देने का आरोप लगाते हुए एसपी देहात से शिकायत की है। पांच सितंबर की रात बुढ़ासी चौकी के निकट चोरों ने शराब के ठेका सहित गांव आजमाबाद माछुआ की आठ दुकानों की दीवार व छत काट कर हजारों का माल ले गए थे। इसमें मोनू पुत्र अजीज खां ने बताया कि उसे बुढ़ासी चौकी पर पूछताछ के लिए बुलाया गया, जहां से थाने की हवालात में बंद कर दिया। बुरी तरह से पीटा गया। सोमवार को एसपी देहात को मोनू ने जख्म दिखाते हुए दारोगा व दो सिपाहियों पर थर्ड डिग्री देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

फांसी के फंदे पर झूला छात्र, लगाया मौत को गले

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी - सीपरी बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दसवीं के छात्र ने फांसी लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया है कि ग्राम लकारा निवासी 17 बर्षीय शिवम दोहरे कक्षा दसवीं में पढ़ता था। शिवम का पिता अरविन्द्र खेती करके परिवार का भरण पोषण करता है। रात्रि में परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सोने चले गए। शिवम अपने कमरें में चला सोने चला गया। जिस कमरे में शिवम सो रहा था, उसी कमरे में फ्रिज रखा हुआ था। रात्रि में जब शिवम की बुआ की लड़की कमरे पानी लेने गई तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने पर जब दरवाजा नहीं खुला तो उसने परिवार के अन्य सदस्यों को नींद से जगाया। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो वह फांसी पर लटक रहा था।

परिजनों ने उसे नीचे उतारा और झांसी मेडिकल कालेज लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नागरिक ने मुख्यमंत्री व डीजीपी से लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद- कायमगंज फर्रूखाबाद न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन होने पर भूमाफिया किस्म के लोग पुलिस से साठ गांठ कर भूमि पर जबरिया कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस की तानाशाही से परेशान वरिष्ठ नागरिक ने मुख्यमंत्री व डीजीपी से लगाई न्याय की गुहार। क्षेत्र के गांव शिवरई मठ निवासी वरिष्ठ नागरिक रफीक खां (75) व सद्दन खां (65) पुत्रगण अजीजुद्दीन मुख्यमंत्री व डीजीपी को भेजे गए पत्र में कहा है कि उसकी क्रय की हुई कृषि भूमि नम्बर गाटा 503 - 1Û2990 हे0 स्थित

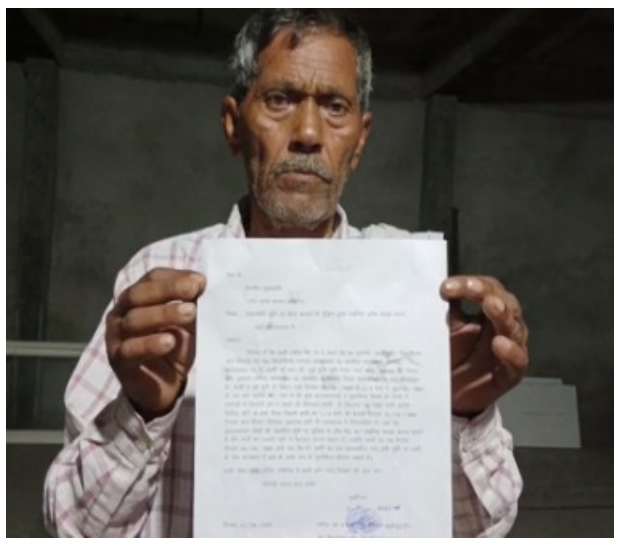

ग्राम लुधइया परगना शमसाबाद प0 तहसील कायमगंज जिला फर्रूखाबाद का 1/2 हिस्सेदार है। उसने यह भूमि दो बिक्रय पत्रों दिनांक 04/08/1988 से 1/4 भाग व 10/09/1992 से 1/4 भाग खरीदी थी। गांव के ही कुछ अराजकतत्वो व भूमाफिया किस्म के लोगों ने कागजों में हेराफेरी कर व तथ्यों को छिपाकर उसके खिलाफ एक एक्स पार्टी आदेश सिविल कोर्ट से करा लिया जिसमें उसका का 1/4 भाग का बैनामा दिनांक 10/09/1992 निरस्त करा लिया। जिसका मुकदमा अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है। अब यह अराजकतत्व उसकी संक्रमीण भूमि पर पुलिस से साँठ-गाँठ कर जबरिया कब्जा करना चाहते हैं और उसको उसकी भूमि से बेदखल करना चाहते हैं। जबकि उसका 1/4 बैनामा दिनांक 04/08/1988 अभी तक वैध है। उसका एक समरसर्विल पम्प इसी भूमि पर उसके के नाम कनेक्शन है इसे भी अवैध रूप से भूमाफिया छीनना चाहते हैं। वरिष्ठ ग्रामीण ने पुलिस से परेशान होकर न्याय की गुहार लगाई है।

बिहारपुर क्षेत्र में एक माह से जमे हुए है गजराज बहरादेव..4 गांव में विचरण कर मचा रहे आतंक

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

बिहारपुर. चाँदनी बिहारपुर के 4 गांव में बहरादेव हाथी एक माह से विचरण कर आतंक मचा रहे है खेत मे लगी फसल के साथ घर मे रखे अनाज को खाकर चट कर रहे है। जिससे ग्रामीण भय के साये में जीने को विवश है। बिन बुलाये मेहमान बने बहरादेव हाथी बिहारपुर क्षेत्र के मोहरसोप,कछिया,नवडीहा सहित बसनारा में एक माह जमे हुए है

शाम होते ही गांव पहुँचकर घर को तोड़फोड़ कर रखे अनाज खाकर हजम कर रहे तो वही खेत, बाड़ी में लगे मक्का, धान की फसल को खाकर बर्बाद करने में लगा हुआ है जिससे ग्रामीण भय के साये में जीने को मजबूर है। ग्रामीणों ने बताया कि हांथी प्रभावित क्षेत्र ग्राम मोहरसोप, बसनारा,कछिया,नवाडीह वन क्षेत्र से लगा हुआ गाँव है पिछले 3 वर्षों से लगातार हाथी आकर खेत मे लगी फसल को खा कर बर्बाद कर रहे है। हाल में एक माह से बहरादेव हाथी घूम घूमकर ग्रामीणों के आशियाने को उजाड़ कर रखे अनाज चट करने में लगा है जिससे ग्रामीणों को जानमाल का खतरा बना रहता है। पिछले साल हाथियों ने 26 पंडो जनजाति के ग्रामीणों के घर को तोड़कर बेघर कर दिया था। यह वही बहरादेव हाथी है जो दो बार मोहरसोप के पुलिस चौकी में धावा बोलकर हलाकान कर पुलिस की नींद हराम कर दिया था। शाम ढलते ही गांव सड़क में आकर रास्ता अवरोध कर हलाकान कर आतंक मचाने में लग जाता है। बहरहाल ग्रामीणों ने आतंक का पर्याय बने बहरादेव हाथी को पकड़कर रेस्क्यू सेंटर भेजने की गुहार लगाई है।3 हाथी के 2 बच्चे है मौजूद... वन विभाग के वनपाल श्री राम गुर्जर ने बताया कि बहरादेव हाथी एक दिन पूर्व क्षेत्र से जा चुका है अभी हाल में 3 हाथियों के साथ उसके 2 शावक कछिया और मोहरसोप के जंगल में मौजूद है जो रात होते खेतो की तरफ रुख कर लगे फसल खा कर वापस जंगल लौट जाते है।

घोटाला फिर से सिरमौर मे

रीवा सिरमौर ,सिरमौर विधानसभा क्षेत्र का पैसा दूसरी विधानसभा क्षेत्र में लगाया गया जिम्मेदार कौन

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

अपने विधानसभा क्षेत्र के बाहर पैसा देने का मतलब क्या पहले से ही नए विधानसभा के लिए जमीन तलाशी जा रही थी या संपन्न हो चुका है सिरमौर या सिरमौर में अब पैसे की कोई कमी नहीं है जनता जवाब किससे मांगे, साथियों सिरमौर से एक बड़ा घोटाला निकाल कर आ रहा है फिर से7 सिरमौर में आज भी हर तरह की समस्या है फिर बात सड़क की हो या बिजली की हर तरफ़ समस्या ही समस्या है फिर भी सिरमौर से भ्रष्टाचार ही हुआ है आज एक बड़ा घोटाला निकल कर सामने आया है जिसका स्पष्टीकरण ज़रूर जनता को देना चाहिए। सिरमौर मे आज भी बुनियादी समस्याएँ है फिर भी सिरमौर का पैसा सिरमौर

के बाहर दिया गया है यह सिरमौर क़े लोगो क़े साथ अन्याय है गंगेंव मे हैंडपंप खनन कार्य के लिए और गंगेंव में ही मुरमीकरण के लिए 2 बार पैसा दिया गया7 गोविन्दगढ़ में फुटबाल खेल मैदान के लिए पैसा दिया है सोचने वाली बात यह है की पैसा देने क़े बाद क्या फुटबॉल का कोई *खेल या आयोजन हुआ या यह पैसा भी कमीशन मे चला गया अगर देना था खेल क़े लिए पैसा तो सिरमौर क़े खिलाड़ियों को देते अपनी विधानसभा क़े खिलाड़ियों क़े साथभेदभाव अच्छी बात नही है7 इसके अलवा वेंकट क्लब रीवा में पेबर ब्लॉक बाउंड्री के लिए भी पैसा दिया गया है इसके प्राइवेट स्कूल आर्योदय अतरैला में हैंडपंप के लिए पैसा दिया चूकीं आर्योदय स्कूल एक प्राइवेट स्कूल है बच्चों से बराबर फ़ीस ली जाती है तो प्राइवेट स्कूल में बोर की सुविधा तो रहती ही फिर ऐसे स्कूल में हैंडपंप देने से अच्छा है की सरकारी स्कूल के बच्चों के सुविधा क़े लिए कुछ किया जाय। एक जम्मिदार पद पर होने का मतलब यह नहीं है की अपनी मज़ी से कही भी पैसे दिये जाय पहले अपने विधानसभा की समस्या सुविधा का ध्यान देना चाहिए। सिरमौर की जनता अब सब समझ चुकी है आने वाले चुनाव में अपना हक़ ज़रूर लेगी

हल्की बरसात से सड़क तालाब में तब्दील जिम्मेदार बेखबर जल भराव नहीं हो रहा खत्म ग्रामीण परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविंद कुमार यादव

श्रावस्ती विकासखंड हरिहरपुर रानी ग्राम सभा भांधी के मजरा कुरसहा के ग्रामीणों ने लगातार संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र के माध्यम से सूचना दिया कि हमारे गांव में नाली निर्माण नितांत आवश्यक है लेकिन जिम्मेदारों के ध्यान न देने की वजह से कुरसहा गांव के मैंने निकास पर जल भराव की स्थिति कम से कम दो महीने से बनी हुई है

जोकि गांव का मात्र एक निकास है एक तरफ इंद्र बहादुर पुत्र लक्ष्मी शरण द्वारा रास्ते पर मकान बना रखा है चकमार्क संख्या 544 वहीं दूसरी तरफ जल भराव की स्थिति इसी चक मार्ग पर बनी हुई है जो कि ग्रामीणों का एकमात्र निकास है सरकार द्वारा ग्राम सभा पर पानी के तरीके से पैसे बहाये जा रहे हैं लेकिन ग्रामीणों का कहना है हमारी ग्रामसभा भंगी का प्रधान संबंधित अधिकारियों से मिली भगत करके कागजी कार्रवाई पूर्ण कर लेता है और जमीनी स्तर पर कार्यों की जांच अगर कराई जाए तो प्रधान को जेल भेज दिया जाएगा ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी से मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया और खंड विकास अधिकारी ने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द जल भराव की समस्या से निजात दिलाया जाएगा

बिहारपुर-रसौकी पीएमजीएसवाय सड़क के नवीनीकरण के लिए वर्चुअल भूमि पूजन करने के बावजद की तस बनी हुई

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा दो साल पूर्व जर्जर बिहारपुर-रसौकी पीएमजीएसवाय सड़क के नवीनीकरण के लिए वर्चुअल भूमि पूजन करने के बावजद की तस बनी हुई है। नवीनीकरण के लिए कम राशि का अभी तक निर्माण का टेंडर तक नहीं हो सका है। शासन द्वारा आगे की सड़क बनाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। लेकिन पुरानी जर्जर सड़क के निर्माण की कोई पहल नही हो रही है। आजादी के बाद दशकों तक कालापानी के नाम से जाने जाने वाले चांदनी-बिहारपुर के लगभग डेढ़ दर्जन दूरस्थ गांवों में पहली बार शासन द्वारा 2008 में बिहारपुर-रसौकी सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। दूरस्थ क्षेत्र में पहली बार पीएमजीएसवाय सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने क्षेत्रवासियों को सबसे बड़ी खुशी मिली थी। काफी मशक्कत के बाद वर्ष 2008 में 29.9 किमी लम्बी सड़क का निर्माण शुरू हुआ, लेकिन इसके पूरा होने में 5 वर्ष लग गए। वर्ष 2013 में सड़क बनने के बाद 10 वर्षों में विभाग ने सड़क की मरम्मत कराने की जरूरत नहीं समझी। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी लगातार 10 वर्षों तक क्षेत्रवासियों के लिए इसे बड़ी उपलब्धि बताने में व्यस्त रहे तथा कभी सड़क मरम्मत कराने पहल नहीं की। अब हालत यह है कि सड़क में 3-4 फीट के गड्ढे हो गए हैं। कई स्थानों पर सड़क के गड्ढे तालाब बन गए हैं सड़क पैदल

चलने लायक भी नहीं है लेकिन कोई दूसरा विकल्प नहीं होने के कारण क्षेत्रवासी जज सड़क से भारी खतरे के बीच आवागमन कर रहे हैं ग्रामीणों द्वारा लगातार सड़क नवीनीकरण कराया जाने की मांग पर मुख्यमंत्री में सड़क नवीनीकरण के लिए 3 करोड़ 87 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई थी तथा 20 जून 2021 को स्वयं सड़क निर्माण के लिए वर्चुअल भूमि पूजन भी किया था विभाग ने सड़क निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ की लेकिन पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण ठेकेदारों ने निर्माण में रुचि नहीं ली तथा कोई भी ठेकेदार टेंडर में नहीं शामिल हुआ इसके बाद से विभाग हाथ पैर हाथ भरे बैठा है क्षेत्र के जनप्रतिनिधि में भी 2 सालों में सड़क निर्माण की पहल नहीं की विभाग के अधिकारी नए सीधे से टेंडर की प्रक्रिया शुरू करने के लिए आवंटन मिलने का इंतजार कर रहे है। जय जय सड़क का निर्माण कब प्रारंभ होगा इस संबंध में विभाग के अधिकारी व क्षेत्र के जन्म प्रतिनिधि कुछ भी नहीं बता रहे हैं।

पांच पुल टूटने के कगार पर

बिहारपुर रसोंकी मार्ग में दर्जनों से अधिक पुल पुलिया है जिसमें अधिकांश पाइप के हैं तथा सभी क्षतिग्रस्त हो गए हैं ग्राम पंचायत अवंतिकापुर ग्राम पंचायत महुली के हड़धोवा पारा व रोहिना पहाड़ के नीचे की पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण ग्रामीण मिट्टी भरकर आवागमन कर रहे हैं जबकि अन्य सभी पाईप पुलिया क्षतिग्रस्त तथा बढ़ाने की कगार पर पहुंच गई है विभाग की लापरवाही के कारण ग्रामीण स्वयं जर्जर पुलियों की मिट्टी भरकर मरम्मत कर रहे हैं पुलियों में मिट्टी भरने के कारण बारिश होने पर बारिश का पानी सड़क के ऊपर से बहने लगता है तथा आवागमन घंटे ठप रहता है

नहीं पहुंच पाता है समय पर एंबुलेंस

सड़क के अत्यंत जर्जर होने के कारण सबसे बड़ी कठिनाई गंभीर रूप से बीमार ग्रामीण व प्रसव पीड़ा में तड़पती महिलाओं को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने में होती है समय पर एंबुलेंस भी नहीं उपलब्ध हो पता है पुलियों के ध्वस्त होने के कारण एंबुलेंस दूरस्थ गांव तक नहीं पहुंच पाता ग्रामीण खाद के सहारे मरीज को मुख मार्ग तक ले आते हैं जहां एंबुलेंस उपलब्ध होती है

फतेहगढ़ आने जाने का मुख्य मार्ग पर लगा भीषण जाम आम जन मानस को काफी दिक्कत होगा करना पड़ता है सामने

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद - शहर में जाम लगने से आम जन क़ो झेलनी पडती मुसीबत, और ये जाम किसी सामान्य मार्ग पर नहीं वल्कि फर्रुखाबाद से फतेहगढ़ आने जाने का मुख्य मार्ग हैं, फर्रुखाबाद के जिला अस्पताल डॉक्टर राम मनोहर लोहिया क़ो लोग इसी मार्ग से जाते है इसके अलावा अन्य प्रमुख डॉक्टर भी इसी मार्ग पर हैं . इस रुट पर अक्सर एम्बुलेंस (सरकारी व प्राइवेट) आती जाती रहती हैं जो इस जाम में फसी रहती हैं. इस जाम की मुख्य बजह रोड पर अतिक्रमण

जनप्रतिनिधि से लेकर अन्य असरदार लोग इस रोड पर अतिक्रमण किये है. जिला प्रशासन जिनकी धमक के आगे नतमस्तक हैं. अतिक्रमण अभियान के समय भी इन लोगों पर कोई ठोस कार्यबाही नहीं हुई। वहीं गरीव आदमी या कहें जिसकी मजबूत पहुँच नहीं थी उसको उठा कर फेंक दिया गया मगर ये अतिक्रमण करने वाले ज्यों के त्यों आज भी कुंडली मारकर बैठे हैं. राजनीति की बात करें तो कई वार फर्रुखाबाद की जनता क़ो रिंग रोड का भी अस्वासन मिला लेकिन चुनाव के बाद मामला ठन्डे बस्ते में चला जाता है जनता अपने आप क़ो फिर से ठगा हुआ महसूस कर अगले चुनाव में नये वादे के इंतजार में भटकती रह जाती है।

किसी भी संगठन की रीढ़ की हड्डी होते हैं कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी- विवेक कुमार द्विवेदी

क्यूँ न लिखूँ सच

सिंगरौली/चितरंगी-राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर प्रदेश के जिला एवं विकासखंड स्तर पर कार्यकारिणी के विस्तार एवं गठन को मद्देनजर रखते हुए राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री मान नरेंद्र मिश्रा जी के निगरानी में और राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन सचिव श्री मानस मिश्रा के निर्देशन में जिला अध्यक्ष अमित अग्रवाल जी के मार्गदर्शन में जिला कार्यवाहक अध्यक्ष एवम् तहसील अध्यक्ष विवेक कुमार द्विवेदी जी द्वारा तहसील पदाधिकारी का दायित्व व कार्यकारिणी का गठन कर विस्तार किया गया है। जिसमें तहसील चितरंगी अन्तर्गत दो पदाधिकारियों कि घोषणा कि जो इस प्रकार है श्री अनुपम कुमार द्विवेदी उपाध्यक्ष तहसील चितरंगी, श्री उमाशंकर बैस पद कोषा अध्यक्ष तहसील चितरंगी, नियुक्त करते हुए तहसील चितरंगी अन्तर्गत निवासरत रहने वाले कुशल एवं अनुशासित कार्यकर्ता राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन के कर्मठ सिपाही है बताते चलें कि मीडिया के क्षेत्र में अत्यधिक रुचि रखने वाले सभी पदाधिकारी संगठन के निर्देशों पर कार्य करने के लिए सदैव उत्सुक रहते हैं जिसको लेकर राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन के कार्यकर्ताओं सहित युवाओं में हर्ष और उत्साह का माहौल बना हुआ है वहीं पर नियुक्त किये गये पदाधिकारियों के लिए बधाइयां दी जा रही है साथ ही साथ संगठन ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की है।

बगदरा अभ्यारण कि रजिस्ट्री पर लगी रोक के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर

क्यूँ न लिखूँ सच
मानस मिश्रा

सिंगरौली जिले के चितरंगी विकासखंड अंतर्गत बगदरा अभ्यारण क्षेत्र कि भूमि में लगाई गई रजिस्ट्री कि रोक पर समाज सेवी एवम विधायक प्रतिनिधि नागेंद्र प्रताप सिंह पिता स्वर्गीय पी के सिंह निवासी ग्राम बीछी ने वरिष्ठ अधिवक्ता रविनंदन सिंह, अपर्ण पवार एवम अजय पवार के माध्यम से उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका दायर कर दिया है नागेंद्र प्रताप सिंह बबलू ने बताया कि बगदरा अभ्यारण क्षेत्र को अनाधिकृत रूप से अभ्यारण बनाया गया है

नियमों कि अनदेखी हुई है अभ्यारण बनाने में। साथ ही साथ यहां के भूमियों पर क्रय विक्रय पर मनमानी ढंग से अभ्यारण के अधिकारियों के प्रस्ताव पर कलेक्टर सिंगरौली के द्वारा रजिस्ट्री पर रोक लगा दी गई है जिसके संबंध में उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर बगदरा अभ्यारण के भूमि के रजिस्ट्री पर लगी रोक को हटाने कि मांग कि गई है

बिजली के खम्भे से लपटें निकलने से मचा हडकंप

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली- सुभाषनगर छेत्र के मढ़ीनाथ श्री हनुमान ब्रह्मदेव थान मन्दिर के पास सुबह लगभग 6 बझे अचानक बिजली के खम्भे से लपटें निकलने के साथ आग इतनी जबरदस्त थी कि 11000 लाइन की तार भी टूट गई और मेन रोड पर जा गिरी मॉर्निंग वॉक पर निकलराहगीरों ने जब देखा तो तुरंत बिजली विभाग को सूचित किया जिसके बाद बिजली काटी गई और तीन घण्टे के बाद सप्लाई शुरू की गई। जानकारी के मुताबिक छेत्र में बिजली के खम्भों पर डिश नेटवर्क व जिओ फाइवर सहित तमाम

केबिल के गुच्छे लटके रहते हैं जो ऐसे हादसों के कारण बने हुए हैं। सुबह के कारण सड़क पर चहलपहल नहीं थी नहीं तो आने जाने वाले राहगीरों को नुकसान हो सकता था। ऐसे में बड़ा सवाल उठता है कि आखिर बिजली विभाग इस पर कोई एक्शन क्यों नहीं लेता जो विजली पोल पर अबैध केविल लटकी रहती हैं।

शासकीय हाई स्कूल महुली में आज नि:शुल्क साइकिल वितरण का कार्यक्रम संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

आज शासकीय हाई स्कूल महुली में नि:शुल्क सायकल वितरण किया गया जिमसें 21 छात्राओं को साइकल वितरण किया गया कांग्रेस पार्टी के वरिष्ट कार्यकर्ता बेचूराम बैस ने संबोधित करते हुए बताया गया की आप लोग अच्छे से पढ़ाई कीजिए और

शासन योजनाओं का लाभ ले, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जितेन्द्र साकेत बच्चों को बताया कि सबको अच्छे शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन के रूप दिया जाता हैइस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि के रूप में श्री बेचूराम बैस, श्री ब्रह्मदेव जायसवाल, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साकेत, श्री पवन जायसवाल, श्री बिहारी लाल जायसवाल (स्रूष्टष्ट अध्यक्ष), रामबरन खैरवार सरपंच, कैलाश साकेत, शीशुपाल जायसवाल, चंद्रिका साकेत, प्राचार्य श्री रामशरण प्रजापति, ष्टष्ट श्री पवन जायसवाल, श्री वीरेन्द्र सिंह श्रीमती आशा प्रजापति, श्रीमती सविता साहू व पालक उपस्थित थे।

This eye disease is very common with increasing age, if you do not pay attention you can become a victim of blindness.

Have you also started seeing your parents less with time? If yes, then do not consider it as just an age related problem, in some cases it can also be a sign of serious eye disease. Health experts say, the problem of cataract after the age of 50 is considered quite common. Cataract is an eye disease in which the problem of clouding of the lens increases. In this situation, you may continue to face the problem of blurred vision or glare around the light. It is considered necessary to treat it on time. Researchers found that if the problem of cataract is not treated in time, then there is a risk of loss of eyesight. Diagnosis of cataract requires surgery in which an artificial lens is implanted. Let us know which people are more at risk of this disease and what efforts can be made to prevent it? Why does the problem of cataract occur? In most cases, cataracts develop due to aging, injury to the eyes, or changes in the tissues that make up the lens of the eye. The proteins and fibers present in the lens start breaking down, increasing the risk of blurred vision. Health experts say, some genetic disorders can also increase the risk of cataracts. Researchers found that long-term use of steroid medications can also cause cataracts to develop. How to Know If You Have Cataracts? Health experts say that timely detection of cataract symptoms and its treatment is considered very important. In this you may have problems like blurred vision or a film forming in front of the eyes. Apart from this, it is also advised to be cautious about some other types of changes occurring in the eyes. Sensitivity to bright sunlight, headlights or lamps. Glare, seeing stripes around the light. Difficulty seeing at night. Requires bright light for reading. Problem of double vision. What to do to prevent cataract? Health experts say that there is no specific way to prevent cataract, however, eye diseases can be prevented by following some simple measures. For this, it is important to get your eyes checked regularly. The researchers found that smoking can also increase your risks, so quitting smoking is recommended to keep eyes healthy and prevent cataracts.

The bride should do this work one month before the wedding, everyone will be impressed.

Marriage is a very special occasion in every girl's life. It is said that after marriage there is a big change in life. After marriage the woman becomes a member of a new family. After forming a relationship with unknown people, it is a big challenge for him to join the family and strengthen the new relationship. In such a situation, girls should do some work before marriage, so that everyone gets impressed by them during the marriage. To ensure that the bride has a good and strong relationship with her husband and in-laws, do some work a month before the wedding. If your marriage is also near, then complete the tasks mentioned here as soon as possible so that everyone becomes happy with you and you are welcomed with open heart in your in-laws' house. Skin Care- Before marriage, it is most important for a bride to work on her looks. 'Beauty is the first impression' i.e. the first thing people see in any person is their looks. Many relatives and guests attend the wedding. In such a situation, it is important to look beautiful so that you can leave a good impression in front of your in-laws. If you are going to get married then start taking care of your skin. You can also adopt some home skin care tips. Wedding Shopping- Wedding ceremony is a big event, in which everyone's eyes are on the bride. There is a lot of work involved in a wedding, so the bride should complete all her work a month before the wedding. Make the purchase of all the important items from the wedding dress to the other items in advance so that as the date approaches, no mistake is made in a hurry and your special day gets spoiled. So complete them before marriage. Complete the incomplete tasks so that the bride can be free at the time of marriage and perform the rituals properly. It should not happen that you get burdened with work at the time of marriage or you start completing your incomplete tasks immediately after marriage. Due to this, you will not be able to enjoy your marriage and your in-laws may also become unhappy if you do not give time to them. Knowing your in-laws- Every bride must know some things about her in-laws before marriage. Like who is in the family? What are the names of the children of the house? Some other things like this. So that after marriage, you do not commit any mistake unknowingly and your impression gets spoiled in front of your in-laws.

The risk of vaginal infection increases in monsoon, follow these special tips to avoid it.

Along with cold and wonderful weather, rain also brings many health related problems to us. Humidity increases a lot during monsoon. Due to which the risk of vaginal and urinary infections increases in women because external moisture accelerates bacterial or fungal growth. In such a situation, you can avoid vaginal infection with these tips. It is very important for women to maintain vaginal pH and vaginal microbiota during monsoon. During the rainy season, even a little bit of wetness and heat in the vagina can give rise to many bacteria, due to which women may face problems of vaginal infection. You can adopt these habits to keep your vagina healthy and clean throughout the monsoon season. Ways to avoid vaginal infection during monsoon Maintain hygiene during periods - If you do not take care of personal hygiene during periods, then the risk of infection can increase, especially during the monsoon season. In such a situation, it is very important that you change sanitary napkins and tampons every 4 to 5 hours. You should also avoid applying any scented product on your vaginal area. Dry the vaginal area after washing – After bathing or using the bathroom, do not forget to dry your vaginal area thoroughly with a clean towel. During this time, do not rub the vaginal area vigorously, as it may cause irritation. Apart from this, it is also advised not to shave frequently during monsoon. Wear cotton underwear: Cotton underwear will be comfortable for you during monsoon. This prevents moisture in the vagina and reduces the risk of infection. Synthetic clothes are not fair in comparison to these. Apart from this, do not wear tight-fitting underwear, it causes sweating around your vagina, due to which moisture starts accumulating. Have safe sex – To reduce the risk of STDs and prevent vaginal infections and bacteria, remember to use condoms while having sex. Stay hydrated- Consuming adequate amount of water helps in flushing out toxins from the body. This creates a healthy environment in your vagina and protects it from infection.

If your partner is upset about something, then do not make these mistakes which can spoil the mood further.

Relationship Tips: Small fights always happen in relationships. But if your partner is upset or angry about something, then you should know how to deal with this situation. Many times we knowingly or unknowingly make such mistakes which worsen the upset mood instead of improving it. Know about it here. How to handle your partner's bad mood - These tips will be useful in maintaining love in the relationship. If your partner is upset or angry about something, then do not make the mistake of irritating him by repeatedly asking the reason. This can worsen the mood of the other person and sometimes in anger the person does something that can hurt the other person and its effect can also be seen on your relationship, so how to console an angry or upset partner? A deal has to be made, today we will learn about it. give space If your partner is in a bad mood, leave him alone for some time. You may feel that leaving you alone is not the right option, but believe me, this is a very useful tip. Giving space gives a person a chance to think, which helps to a great extent in calming anger and correcting bad mood. Listen more than speaking - If your partner is angry and you want to know the reason. So when he talks, listen to him carefully, rather than picking up on something and starting an argument with him. Do not irritate. Do not do anything that increases anger instead of calming it. Talking loudly on the phone, turning on the TV at high volume or laughing unnecessarily, many things increase the anger of the other person even without wanting to. If you sense that your partner is angry or upset about something, then give him some time to become normal or calm. Talk can be resolved with tea and coffee – If your partner is angry, then try the tips given above to calm him down, which are really useful. Yes, in this situation, make them tea or coffee, whatever they like, and make them drink it. This can cure your bad mood instantly.

Anil Kapoor's dream will be fulfilled through Thank You For Coming, the actor is excited to attend TIFF

Thank You For Coming Premiere At TIFF 2023 Bhumi Pednekar starrer film Thank You For Coming will premiere at the Toronto International Film Festival. Anil Kapoor will also be a part of it. He has confirmed the news of attending the event. He is very excited for this. He has shared his feelings. Know what the actor has said. Anil Kapoor On Thank You For

Coming Premiere at TIFF 2023: Anil Kapoor has left an indelible mark on Hindi cinema. In the 80-90s, Anil's coin was ruling the industry. Even today Anil graces the screens with his presence. These days he is in the limelight for his upcoming film 'Thank You for Coming'. Ever since the trailer of 'Thank You For Coming' produced by Ekta Kapoor and Rhea Kapoor came out, fans have been yearning to watch the movie. Now the film will have its world premiere at the Toronto International Film Festival 2023, where Anil Kapoor will also attend. Anil Kapoor will attend TIFF Anil Kapoor wanted to go to Toronto International Film Festival for a long time. In such a situation, this dream of his is also going to be fulfilled with 'Thank You for Coming'. The actor said- I wanted to participate in TIFF since Slumdog Millionaire. That year, I went to almost all the film festivals from BFI to Cannes Film Festival to Slumdog, but could not attend only TIFF. Why was Anil Kapoor not able to go to TIFF? - Anil Kapoor further explained why he could not go to TIFF during Slumdog Millionaire. According to Anil, I could not go to Toronto Film Festival because my visa did not reach on time. So since then TIFF has been on my bucket list. This time I have got a chance to go there as a producer. I am eagerly waiting for the premiere of Thank You for Coming on such a big stage. Star cast Bhumi Pednekar, Shehnaz Gill, Dolly Singh, Kusha Kapila, Shibangi Bedi, producer Rhea Kapoor and director Karan Boolani will also accompany Anil Kapoor for the premiere of 'Thank You for Coming'. The movie is releasing in theaters on 6 October 2023.

From underworld to romance stories, these films and series coming on OTT this week

OTT Movies and Web Series: Bombay Meri Jaan and Kaala web series are being released on OTT this week. Both of them are crime thrillers and Avinash Tiwari is in the lead role in both the series. Apart from these, content in many English and other languages is coming on OTT. Chiranjeevi's Bhola Shankar is also being streamed on OTT this week. A large number of web series are being released this week. Kaala and Bombay Meri Jaan are Hindi web series - Avinash Tiwari is in the lead role in both the web series. The month of September is quite explosive in terms of entertainment. After Shah Rukh Khan's Jawan in theaters in the first week, now more than one web series and films are going to be released on OTT platforms this week, which have been in the news for a long time. Movie lovers can enjoy these shows and movies from the comfort of their home. If you are also fond of watching web series and movies on OTT platforms, then today we have brought for you the complete list of upcoming series and movies this week. These movies and web series full of crime, murder, suspense and action will make your weekend fun. I Should Have Stayed Home- Safar Se Suffer Tak!) Platform: Discovery+, Discovery Channel Release Date: September 11, 2023 Siddhant Mevra and Shashank Jayakumar, two brothers who love food and travel, set out on a journey that tests their patience and endurance. Both will be seen scaling the inaccessible paths and dangerous heights of the Himalayas. They will have no phone, GPS or money. They have to move forward with the kindness of strangers, their own discretion, and trust in each other. Docu-Series: Animals up Close With Bertie Gregory Platform: Disney+Hotstar Release Date: September 13, 2023 National Geographic explorer and award-winning filmmaker Bertie Gregory once again stars in his docu-series Terrifying Wild... Will be seen showing animals. If you are interested in knowing about the forest and the animals living in it, then you will definitely like this docu-series. Disney+Hotstar Release Date: September 15, 2023 In the MY 3 series to be released in Tamil language, you will get to see a lot of romance along with comedy. Actors like Shantanu Bhagyaraj and Mugen Rao will be seen in lead roles in the web series along with Hansika Motwani.

Vicky Kaushal's ex-girlfriend Harleen Sethi is going to get married to this actor? Know who he is

Harleen Sethi And Vaibhav Raj Gupta After the breakup with Vicky Kaushal, actress Harleen Sethi has also moved ahead in her life. These days, Harleen's name is being associated with actor Vaibhav Raj Gupta. Not only this, both are taking their relationship one step further.

It is being said that this couple is going to marry soon. Is Harleen Sethi dating Vaibhav Raj Gupta - Has she dated Vicky Kaushal too - Actress is going to be with Vaibhav Raj Gupta. Vicky Kaushal's ex-girlfriend Harleen Sethi is in her personal life these days. In the headlines regarding life. Actually, after the breakup with Vicky Kaushal, the actress has fallen in love once again. These days, Harleen's name is being associated with actor Vaibhav Raj Gupta. Not only this, both are taking their relationship one step further. Harleen Sethi is dating Vaibhav Raj Gupta- According to the report of E-Times, Harleen and Vaibhav have been dating each other for the last one year. It is being said that both are in a serious relationship with each other and both will convert their relationship into a roka ceremony by the end of this year. Quoting the source, the news says, "Considering Harleen's previous relationship, this Vicky Kaushal Date- Let us tell you, Harleen had also dated Vicky Kaushal. Both of them were seen together in the screening of the film 'Uri: The Surgical Strike'. In an interview, Vicky had also revealed his love story with Harleen, he said It was said that his first meeting with Harleen was during a party. As soon as he saw Harleen, he fell in love with her. Both of them dated for about a year. However, both of them separated in the year 2019. After the breakup with the actress. Vicky's name was linked to Katrina Kaif. Who is Vaibhav Raj Gupta - Let us tell you that Vaibhav Raj Gupta is an actor, who has been seen in Gullak, Noor and Ajnakar. Apart from this, he has also been seen in the series 'Mai'. The actor was born on 19 January 1991 and is a resident of Sitapur, UP. Are very active on social media.

Avneet Kaur got a bold photoshoot done, the pictures raised the temperature of the internet

Avneet Kaur Photos TV's child actress Avneet Kaur has now grown up. The actress keeps sharing her hot photos on social media every day. Now Avneet has once again created a stir on the internet by doing a bold photoshoot. Hot pictures of the actress are raising the temperature of the internet. However, his fans did not like these pictures much. Avneet Kaur got a bold photoshoot done People were surprised to see the hot look of the actress - fans trolled her. Avneet Kaur, who has created a distinct identity for herself from TV industry to Bollywood, has recently got a bold photoshoot done. In this photoshoot the actress is seen wearing a revealing dress. Everyone is surprised to see such a hot and bold photoshoot of Avneet. Avneet Kaur started her career as a child artist. After this she stepped into Bollywood and was seen in the film 'Tiku Weds Sheru' with Kangana Ranaut. Avneet is very active on social media, she often shares her bold pictures there. Got a photoshoot done wearing a revealing dress- Recently, Avneet Kaur was seen in an event. In this event she wore a revealing gown. green colored high thigh slit done in this She also got her photoshoot which the dress, some pictures of Instagram. Now actress has shared on her becoming quite these pictures of his are viral on social media. It can be seen in the pictures how the actress is seen giving a sizzling pose in this dress. These pictures of 21 year old Avneet Kaur are setting the internet on fire. In terms of beauty and boldness, Avneet is seen giving competition to big Bollywood actresses in these pictures. With this dress she completed her hairstyle by making a loose bun. At the same time, for makeup, she kept nude lips and subtle makeup. However, these pictures of Avneet have not been liked much by her fans and they have started trolling the actress. Fans gave such a reaction - People are seen giving their reaction by commenting on this bold photoshoot of Avneet Kaur. One user wrote, 'Now she just has to show her body, she was a good girl.' Another wrote, 'I don't like Avneet anymore, because now she is slowly becoming Urfi'. At the same time, some people also commented praising Avneet. One user wrote, 'You are looking super. Some shared fire emojis and some shared heart emojis.